सत्र - 2021–22
कक्षा - तीसरी
विषय - सूची

		पृष्ठ संख्या
अप्रैल–मई	. कोयल (कविता)	4
	. खुशी ही खुशी (पाठ)	8
	. रिश्ते नाते	11
जुलाई	. तोते का जन्म दिन	12
	. संज्ञा	15
	. दिनों के नाम	21
अगस्त	. जीत किसकी	23
	. सर्वनाम	27
सितंबर	. गुलाब का घमंड	30
	. विशेषण	33
अक्तूबर	. मैं कौन हूँ (पाठ)	38
	. गिनती का गीत	41
	. वचन	45
नवबंर	. देखकर चलो भाई	47
	. क्रिया	50
दिसंबर	. रवींद्र की कलम से	54
	. विलोम शब्द	57
जनवरी	. तितली	63
	. अपठित गद्यांश	66
फ़रवरी	. नन्हीं बूँदें (कविता)	75
	. अनुच्छेद लेखन	78
	. वर्ण विचार	80
	. मुहावरे	98
	. कहानियाँ	103
	. "की" और "की"	115
	. अपठित गद्यांश	117
	. कहानी लेखन	125

मेरा परिचय

नाम .....

माता का नाम ..... पिता का नाम .....

भाई/बहन का नाम ....

मेरा मनपसंद खेल ..... मेरी मनपसंद पुस्तक .....

मेरा मनपसंद विषय ..... मेरा प्रिय मित्र/सखी .....

मेरा मनपसंद रंग .....

परिवार का फ़ोटो

मेरा विद्यालय

मेरा नाम .....

कक्षा ..... विद्यालय का नाम .....

विद्यालय का पता .....

.....

प्रधानाचार्या का नाम–.....

हिंदी–अध्यापिका का नाम–.....

कक्षा–अध्यापिका का नाम–.....

विषयों के नाम– ....

....

....

विद्यालय का चित्र

अप्रैल/मई

कोयल (कविता)

कोयल की कुहू-कुहू बहुत मधुर होती है। सबकी माँ उन्हें कुछ सिखाती हैं। कोयल की माँ ने भी उसे कुछ सिखाया है – पढ़कर देखो क्या?

देखो, कोयल काली है पर
मीठी है इसकी बोली।
इसने ही तो कूक–कूक कर
आमों में मिसरी घोली।

कोयल! कोयल! सच बतलाओ
क्या संदेशा लाई हो?
बहुत दिनों के बाद आज फिर
इस डाली पर आई हो।

क्या गाती हो, किसे बुलाती,
बतला दो कोयल रानी।
प्यासी धरती देख माँगती
हो क्या मेघों से पानी?

कोयल यह मिठास क्या तुमने
अपनी माँ से पाई है?
माँ ने ही क्या तुमको मीठी
बोली यह सिखलाई है?

डाल–डाल पर उड़ना, गाना
जिसने तुम्हें सिखाया है।
सबसे मीठे–मीठे बोलो
यह भी तुम्हें बताया है।

बहुत भली हो, तुमने माँ की
बात सदा ही है मानी
इसीलिए तो तुम कहलाती
हो सब चिड़ियों की रानी!

– सुभद्राकुमारी चौहान

प्र०–1 कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) कोयल की बोली कैसी होती है?

.....

.....

ख) कोयल को मीठा बोलना किसने सिखाया?

.....

.....

ग) कोयल चिड़ियों की रानी क्यों कहलाती है?

.....

.....

प्र०–2 समान अर्थ वाले शब्द काव्यांश से ढूँढकर लिखें।

क) जल – .....

ख) पृथ्वी – .....

ग) बादल – .....

घ) हमेशा – .....

ङ) सूचना – .....

प्र०–3 नीचे लिखे पक्षियों व जानवरों की बोलियों को उनकी आवाज़ों से मिलाइए।

क)	तोता	–	चिंघाड़ना
ख)	मक्खी	–	टैं टैं
ग)	कौआ	–	कुहुकना
घ)	मोर	–	काँव – काँव
ड.)	हाथी	–	भिनभिनाना

प्र०–4 वाक्य बनाइए:–

क) संदेश – .....

.....

ख) सदा – .....

.....

ग) मीठी – .....

.....

घ) प्यास – .....

.....

प्र०–5 आपने अपनी माँ से क्या-क्या सीखा है?

.....

.....

.....

.....

अपना और अपनी माँ का चित्र बनाइए

खुशी ही खुशी (पाठ)

गद्यांश पढ़िए।

प्र०–1 नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

तभी उसे अपने बाबा की आवाज़ सुनाई दी। उसने आँखें खोलीं। बाबा और चारों तरफ़ लगी भीड़ को देखा। फिर उन सिक्कों और नोटों को, जो चादर के बाहर भी बिखरे थे। ज़ोर की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसके बाबा नाच रहे थे। सब तरफ़ खुशी ही खुशी थी।

मेला समाप्त हुआ। ढोल बहुत थक गया था पर वह प्रसन्न था। घर पहुँचकर उसने माँ के हाथ में ढेर सारी चूड़ियाँ और सो रही बहन के सिरहाने गुड़िया रख दी। माँ की मुसकान देखकर उसकी सारी थकान दूर हो गई।

प्र०–2 वाक्य बनाइए : –

क) थकान – .....

ख) समाप्त – .....

ग) सिरहाने – .....

प्र०–3 पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) बाबा के जाते ही ढोल क्या करने लगा?

उ० .....

.....

ख) ढोल बाजेकर द्वारा ढोल बजाते ही कौन से गीत की धुन गूँज उठी?

उ० .....

.....

ग) जब ढोल की आँखें खुली तो उसने क्या देखा?

.....

.....

घ) ढोल के बाबा क्यों खुश थे?

.....

.....

ख) अतिरिक्त शब्द लिखिएः –

बढ़िया – ..... प्रसन्न – .....

अचंभा – ..... अनोखा – .....

योग्य – ..... आनंद – .....

स्थान – ..... बिखरे – .....

प्र०–4 आपने अपने माता-पिता को बहुत खुश कब देखा है? उनकी खुशी का क्या कारण था?

.....

.....

.....

प्र०–5 ढोल ने अपनी माँ के लिए चूड़ियाँ खरीदीं, आप अपनी माँ के लिए क्या खरीदना चाहेंगे?

.....

.....

.....

प्र०–6 ढोल बाजेकर ढोल बजा कर खुश होता था। आप कौन-सा वाद्य बजाना चाहेंगे? वाद्य का नाम लिखिए व चित्र बनाइए।

वाद्य का नाम .....

रिश्ते - नाते

रिश्तों को पहचानिए और रेखा खींचकर सही जोड़े बनाइए।

पिता जी	बहन
चाचा जी	माता जी
भाई	चाची जी
मामा जी	मौसी जी
मौसा जी	मामी जी
ताऊ जी	दादी जी
दादा जी	फूफी जी (बुआ जी)
नाना जी	ताई जी
फूफा जी	नानी जी

जुलाई

तोते का जन्मदिन

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

एक बगीचे में फलों के बहुत से वृक्ष थे। उन पर आम अनार, अमरूद और बेर तरह–तरह के फल लगते थे। उन पेड़ों पर बहुत से पक्षियों के घोंसले थे। एक पेड़ के तने में तोता–तोती का एक जोड़ा अपने कोटर में रहता था।

तोते ने तोती से कहा मेरा जन्मदिन आने वाला है। मैं अपने सभी मित्रों को जन्मदिन पर बुलाना चाहता हूँ। मैना, गौरैया, कोयल सभी बहुत खुश हुए। किंतु तोते ने कौए को नहीं बुलाया, क्योंकि वह किसी की मदद नहीं करता था। तोती को यह बात अच्छी नहीं लगी। जन्मदिन की तैयारी शुरू हुई। कौआ झाँक–झाँक कर सब देख रहा था। वह बोला काँव–काँव कोई आया है। तोती ने खुश होकर कहा, "देखो वह भी तो मदद कर रहा है। उसे भी बुला लो।" तोते ने कौए को बुलाया। अब तो कौआ भी उनका मित्र बन गया था।

क) बगीचे में किसके पेड़ थे?

.....

.....

ख) तोती को कौन सी बात अच्छी नहीं लगी?

.....

.....

ग) कौआ उनका मित्र कैसे बना?

.....

.....

प्र0–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) पक्षी – .....

ख) ऋतु – .....

ग) बधाई – .....

घ) मदद – .....

प्र0–3 वाक्य बनाइए –

क) मित्र – .....

.....

.....

ख) बधाई – .....

.....

.....

ग) जन्मदिन – .....

.....

.....

घ) पड़ोसी – .....

.....

.....

प्र0–4 आपका जन्मदिन कब आता है?

.....

.....

.....

प्र0–5 अपने जन्मदिन पर आप क्या विशेष करना चाहते हैं?

.....

.....

.....

.....

क) एक नए दोस्त का नाम लिखिए .....

ख) उसे क्या उपहार देना चाहेंगे, चित्र बनाकर बताइए।

उपहार का चित्र

ग) आप नए दोस्त बनाने के लिए क्या–क्या करेंगे? लिखिए।

.....

.....

.....

.....

संज्ञा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक जगंल में चार दोस्त रहते थे बंदर, भालू, उल्लू और कछुआ। एक दिन उन्होंने शहर जाने की सोची। वे वेश बदल कर शहर पहुँच गए। सबसे पहले वे एक पार्क में गए। वहाँ उन्होंने खूब झूले–झूले। उसके बाद वे बाज़ार गए, वहाँ उन्होंने छोले–भठूरे खाए। बाज़ार का शोर उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आया। वे बहुत थक गए थे इसलिए वापस जंगल चले गए। अगले दिन वे फिर से शहर गए, इस बार वे एक स्कूल के अंदर घुस गए, वहाँ उन्हें पढ़ने में बहुत मज़ा आया। अध्यापिका ने उन्हें सभी बच्चों से मिलवाया आधी छुट्टी के समय सभी बच्चों ने उनके साथ अपना–अपना खाना बाँटा। किसी ने चावल राजमा दिए, तो किसी ने गुलाब जामुन। सभी जानवर बहुत खुश हुए। सभी बच्चों को जंगल आने का न्योता दे कर वे वापस जंगल को लौट गए। घर जा कर बच्चों ने अपने माता–पिता को बताया कि उनके स्कूल में जंगल के दोस्त उनसे मिलने आए थे।

प्र०–1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) दोस्तों ने कहाँ जाने के बारे में सोचा?

उत्तर .....

.....

(ख) सबसे पहले वे कहाँ गए?

उत्तर .....

.....

(ग) उन्हें बाज़ार पसंद क्यों नहीं आया?

उत्तर .....

.....

(घ) आपको अपने स्कूल में क्या–क्या पसंद है?

उत्तर .....

.....

प्र०–2 अनुच्छेद से संज्ञा शब्दों को ढूँढ कर लिखिए।

1 .....

2 .....

3 .....

4 .....

5 .....

6 .....

7 .....

8 .....

9 .....

10 .....

प्र०–3 नीचे लिखे शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द गद्यांश से ढूँढ कर लिखिए–

वन – .....

मित्र – .....

भीतर – .....

प्रसन्न – .....

संज्ञा

शब्दों की भी अपनी ही दुनिया है। अपनी कक्षा के कमरे को देखिए और ढूँढकर बताइए कि क्या कोई ऐसी वस्तु है जिसका कोई नाम न हो?

ऐसी कोई भी वस्तु नहीं है, जिसका कोई नाम न हो। विद्यार्थी, अध्यापक, मेज़, बैंच, खिड़की आदि सभी नाम हैं। व्याकरण में ये सभी शब्द संज्ञा कहलाते हैं। अतः प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति का कोई न कोई नाम अवश्य होता है जिन्हें संज्ञा कहते हैं।

प्र०–1 निम्नलिखित पंक्तियों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए-

सम्राट अकबर के हाथी थे, बहुत प्यारे
जंगल में जाते थे वे सारे
दीनू बोला, मेरे घर भी आओ न,
हलवा पूरी खाओ न,
आओ बैठो कुरसी पर,
कुरसी बोली चरर, चरर, चरर।

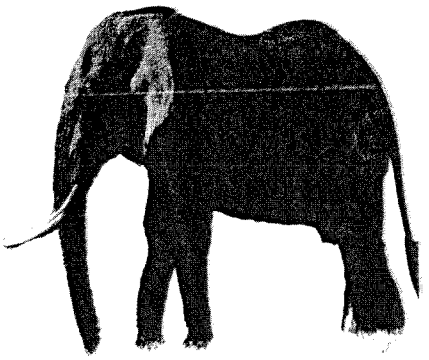

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र०–2. हर वर्ग के तीन-तीन शब्द लिखिए-

जानवर

.....

.....

.....

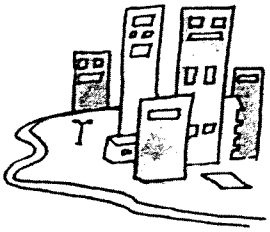

शहर

.....

.....

.....

पक्षी

.....

.....

.....

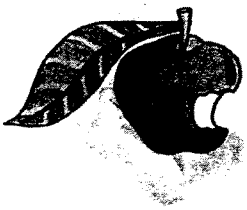

फल

.....

.....

.....

प्र०–3. नीचे चित्र में शब्द दिए गए हैं। उनमें से संज्ञाएँ छाँटकर फूलदान में लिखिए-

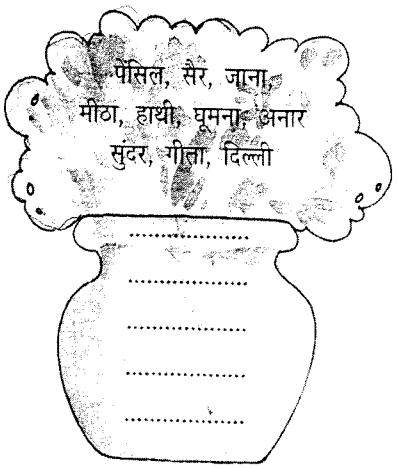

प्र0–4. संकेतों की सहायता से पहेली पूरी करिए।

सीधे 1. पैडल मारो तो चलती हूँ, पेट्रोल नहीं मैं पीती हूँ।

नीचे 2. सबका ज्ञान बढ़ाती हूँ, और पुस्तक कहलाती हूँ।

सीधे 3. मुझको जो रोज़ खाता, डॉक्टर को वह दूर भगाता।

नीचे 4. कल–कल बहता जाता हूँ, सबकी प्यास बुझाता हूँ।

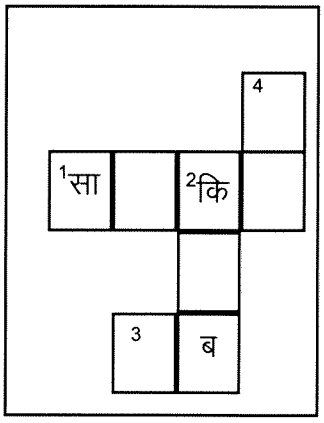

प्र०–5 नीचे लिखे शब्दों में से संज्ञा शब्द चुनिए-

मीना, बूढ़ा, जवान, अपना, यमुना, मीठा, चण्डीगढ़, भारत, हवा–महल, उसको, पंजाब, मुम्बई, अंगूर, स्कूल

.....

.....

.....

.....

प्र०–6 नीचे लिखे वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित कीजिए-

क) हिमालय पर्वत भारत का मुकुट है।

ख) गंगा नदी सबसे पवित्र नदी है।

ग) प्रशांत अपनी पुस्तक पढ़ रहा है।

घ) मुम्बई एक महानगर है।

ङ) वृक्ष पर पक्षी बैठे हैं।

च) नदी का जल शीतल है।

छ) खेतों में चिड़ियाँ हैं।

ज) सीता की पुस्तक देखने योग्य है।

झ) आम का फल मीठा होता है।

प्र०–7 नीचे लिखे वाक्यों में संज्ञा शब्द भरिए-

क) गाय ..... देती है।

ख) मीना ..... जाती है।

ग) ..... भारत की राजधानी है।

घ) ताजमहल ..... में है।

ङ) हमारा राष्ट्रीय पक्षी ..... है।

पढ़ें, समझें, सीखें

कुछ ऐसे शब्द जो पाठ्य पुस्तक पढ़ते समय, अभ्यास-कार्य करते समय बार-बार आपके सामने आते हैं, इन्हें पढ़कर समझिए और सीखिए, ताकि आप वाक्यों का सही अर्थ ग्रहण कर सकें।

1) तिथि/दिनांक (Date) ....

2) क्रमांक (Roll Number) ....

3) निम्नलिखित (Given below) ....

4) प्रश्न (Question) ....

5) उत्तर (Answer) ....

6) गद्यांश (Passage) ....

7) पद्यांश (Part of Poem) ....

8) मौखिक (Oral) ....

9) लिखित (Written) ....

10) सुलेख (Handwriting) ....

11) श्रुतलेख (Dictation) ....

12) रेखांकित (Underline) ....

13) अनुच्छेद (Paragraph) ....

आइए सीखें और लिखें–

क) सप्ताह के दिनों के नाम –

....

....

....

ख) महीनों के नाम –

....

....

....

....

ग) उत्सवों के नाम –

....

....

....

....

घ) पशुओं के नाम –

....

....

....

....

ङ) पक्षियों के नाम –

....

....

....

च) शरीर के अंगों के नाम –

....

....

....

छ) संबंधियों के नाम –

....

....

....

ज) फलों के नाम –

....

....

....

झ) सब्ज़ियों के नाम –

....

....

....

ञ) मसालों के नाम –

....

....

....

अगस्त

जीत किसकी

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

एक बकरी और उसका बच्चा मेमना था। दोनों जंगल में घास चर रहे थे। चरते चरते दोनों को प्यास लगी। दोनों नदी के पास पहुँचे और नदी को प्रणाम किया। नदी ने उनका स्वागत किया। नदी का मीठा शीतल पानी पी कर दोनों जाने ही वाले थे कि भेड़िया आ गया। लाल–लाल आँखों वाला, राक्षसी डील–डौल का भेड़िया सामने खड़ा था। भेड़िए ने कठोर आवाज़ में कहा अब मैं तुम्हें खाकर पहले अपनी भूख मिटाऊँगा।

मेमना बोला "छिः छिः, कितने गंदे हो तुम! लगता है महीनों से मुँह नहीं धोया।" बकरी ने कहा, "ये ठहरे जंगल के मंत्री। बड़ों की बड़ी बातें। हो सकता है भेड़िए दादा ने मुँह न धोने की कसम उठा रखी है।"

क) गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

.....

.....

ख) बकरी और मेमना जंगल में क्या कर रहे थे?

.....

.....

ग) दोनों नदी के पास क्यों गए, और वहाँ पहुँच कर क्या किया?

.....

.....

घ) भेड़िया देखने में कैसा था?

.....

.....

ङ) बकरी के अनुसार जंगल का मंत्री कौन था?

.....

.....

प्र०–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) बतियाते – .....

ख) तट – .....

ग) सूचना – .....

घ) राह – .....

ङ) डील–डौल –. .....

च) सकपकाना – .....

छ) रेत – .....

ज) बटोरकर – .....

प्र०–3 वाक्य बनाइए-

क) स्वागत –.....

.....

.....

ख) डील–डौल –.....

.....

.....

ग) सुरक्षित–.....

.....

.....

घ) शीतल–.....

.....

.....

ङ) संकट–.....

.....

.....

प्र०–4 आप अपने मेहमानों का स्वागत कैसे करते हैं?

.....

.....

.....

प्र०–5 अपने प्रिय जानवर का चित्र बनाकर उसका नाम लिखिए।

जानवर का नाम .....

सर्वनाम

"राजन और राघव मित्र हैं। राजन और राघव एक साथ खेलते हैं। राघव और राजन के माता–पिता राघव और राजन से खुश रहते हैं। राघव और राजन को क्रिकेट खेलना अच्छा लगता है। राघव और राजन पढ़ाई में भी होशियार हैं।"

एक बार फिर से पढ़कर देखिए-

"राघव और राजन मित्र हैं। वे एक साथ खेलते हैं। उनके माता–पिता उनसे खुश रहते हैं। उन्हें क्रिकेट खेलना अच्छा लगता है। वे पढ़ाई में भी होशियार हैं।"

अब बताइए आपको कौन सा अनुच्छेद अधिक सही लगा?

हमने देखा कि ऊपर लिखे अनुच्छेद में राघव और राजन का नाम बार–बार न लिखकर उनके स्थान पर अन्य शब्दों का प्रयोग किया गया है जैसे–वे, उनके, उनसे, उन्हें। जब हम बात करते हैं तब बार–बार नाम का प्रयोग नहीं किया जा सकता। उनकी जगह जिन शब्दों को प्रयोग में लाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ सर्वनाम शब्द

एकवचन	बहुवचन
मैं	हम
यह	वे
इसे	ये
आप	इन्हें
तुम	उन्हें
वह	
उसे	

ध्यान देने योग्य बातें

प्र०–1 दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम छाँटिए-

(क) मुझे खेलने दो। .....

(ख) वे होटल में ठहरे हैं। .....

(ग) हमने फ़िल्म देखी। .....

(घ) उसने मैच जीत लिया। .....

(ङ) कोई शोर मचा रहा था। .....

(च) आपने खाना खा लिया। .....

(छ) जिसने भी कहा है वह सामने आ जाए। .....

प्र०–2 सर्वनाम शब्द चुनकर लिखिए-

उसने, मेरा, आपसे, कौन, तुम्हारे, मुझे, कोई

(क) .....पिताजी क्या काम करते हैं?

(ख) ..... यह किताब अच्छी लगती है।

(ग) ..... भाई चित्र बनाता है। ..... एक अच्छा चित्र बनाया।

(घ) कल.....यहाँ.....मिलने आया था।

(ङ) देखो, बाहर.....है?

प्र०–3 नीचे लिखे सर्वनामों से वाक्य बनाइए-

मुझे – .....

उन्हें – .....

कौन – .....

उसका – .....

प्र०–4 निम्नलिखित वाक्यों में गलत सर्वनामों का प्रयोग हो गया है। वाक्यों में सही सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके उन्हें दुबारा लिखिए।

वह ने खाना खाया।

.....

मैं मेरा काम करता हूँ।

.....

मेरी गुड़िया

प्र०–5 नीचे लिखी पंक्तियों में सर्वनाम शब्द रेखांकित कीजिए-

मेरी गुड़िया बड़ी सयानी,
मुझसे सुनती वह रोज़ कहानी।
खाती रोटी वह पीती पानी,
नहीं आती उसे शैतानी।

सितंबर

गुलाब का घमंड

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

बगीचे में गुलाब के कई पौधे थे। एक पौधे पर गुलाब की एक कली दिखाई पड़ी। हवा चली, वर्षा की बूँदें छिटकीं और धूप की किरणें उस पर पड़ीं। वह कली एक सुंदर फूल में बदल गई। ऐसा सुंदर गुलाब का फूल आसपास कहीं नहीं था। उन्हें देखकर गुलाब को स्वयं पर घमंड होने लगा। गुलाब ने कहा, यहाँ जो भी फूल–पौधे खिले हैं वे मुझे पसंद नहीं और न ही वे मेरे बराबर के हैं। मैं तो फूलों का राजा हूँ। इस बात पर हवा को क्रोध आ गया। वह ज़ोर से चलने लगी और पौधे को जड़ से उखाड़कर नीचे गिरा दिया। गुलाब का पौधा बहुत खुश था वह अपने घमंड में सीना तानकर चलने लगा। पर कुछ दूर जाते ही उसे कमज़ोरी लगने लगी और वह लड़खड़ाने लगा।

क) कली गुलाब कैसे बनी?

.....

.....

ख) कौन अपने आप को 'फूलों का राजा' समझता था और क्यों?

.....

.....

ग) क्रोध में आकर हवा ने क्या किया ?

.....

.....

घ) गुलाब के पौधे ने खुश होकर क्या किया ?

.....

.....

प्र०–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) वर्षा – .....

ख) छिटकीं – .....

ग) स्वामी – .....

घ) प्रार्थना – .....

ङ) कोमल स्वर – .....

च) क्रोध – .....

छ) मुरझाना – .....

ज) चरण – .....

झ) पवन – .....

प्र०–3 वाक्य बनाइए-

क) अभिमान – .....

.....

.....

ख) प्रशंसा – .....

.....

.....

ग) स्वयं – .....

.....

.....

घ) भिन्न–भिन्न – .....

.....

.....

प्र०–4 जब आपको गुस्सा आता है तब आप क्या करते हैं?

.....

.....

प्र०–5 हमारे विद्यालय में लगे विभिन्न फूलों में से किन्हीं पाँच फूलों के नाम लिखकर चित्र बनाइए।

....

....

विशेषण

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िएः–

एक जगंल में एक मोटा हाथी रहता था। उसके लंबे–चौड़े कान थे। लंबी सूँड़ थी। चार भारी–भरकम पैर थे और दो सफ़ेद–सफ़ेद दाँत थे। हाथी बहुत ही मस्त स्वभाव वाला था। सब जानवरों के साथ खेलना उसे अच्छा लगता था। एक प्यारी सी नन्हीं चिड़िया हाथी की अच्छी मित्र थी। वह फुदक–फुदक कर उसकी पीठ पर खेलती थी। नन्हीं चिड़िया बहुत समझदार और होशियार थी। हाथी की बहुत परवाह करती थी। एक दिन हाथी के पैर में एक बड़ा और नुकीला काँटा चुभ गया। वह दर्द से कराहने लगा। जब नन्हीं चिड़िया ने उसे देखा तो उसने झट से अपनी पैनी और नुकीली चोंच से उसके काँटे को पकड़ा और ज़ोर से खींचकर बाहर निकाल लिया। काँटा निकलते ही हाथी को चैन मिल गया। उसने प्यार से नन्हीं चिड़िया को देखा और उसे धन्यवाद कहा। दर्द कम होते ही दोनों फिर से खेलने लगे।

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िएः–

(क) हाथी का मित्र कौन था?

उत्तर .....

.....

(ख) नन्हीं चिड़िया किसकी परवाह करती थी?

उत्तर .....

.....

(ग) नीचे लिखे वाक्यों में विशेषण शब्द रेखांकित कीजिए–

(i) हाथी मोटा था।

(ii) नन्हीं चिड़िया समझदार और होशियार थी।

(iii) हाथी के पैर में नुकीला काँटा चुभ गया।

(iv) नन्हीं चिड़िया ने पैनी और नुकीली चोंच से उसे निकाला।

(घ) सही विशेषण शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए:–

सफ़ेद, भारी–भरकम, पैनी, बड़ा, नुकीला, अच्छी

(i) कल हमने रास्ते में एक ..... पत्थर देखा।

(ii) ..... काँटा निकलते ही हाथी को चैन मिल गया।

(iii) दूध ..... होता है।

(iv) पहलवान ने ..... सामान झट से उठा लिया।

(v) नन्हीं चिड़िया की ..... चोंच थी।

(vi) मुझे अपनी किताबें लगती ..... हैं।

(ङ) गद्यांश में से पाँच विशेषण शब्द ढूँढकर लिखिए:–

(i) .....

(ii) .....

(iii) .....

(iv) .....

(v) .....

विशेषण

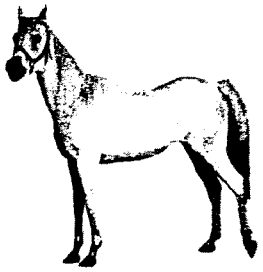

राजा के पास सफेद घोड़ा था।

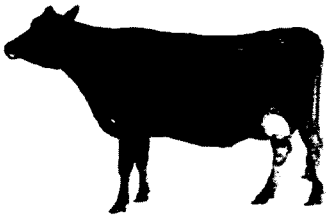

मोहन के पास काली गाय थी।

यह पेड़ लंबा है।

यह पेड़ छोटा है।

यह लड़का मोटा है।

यह कमीज़ पुरानी है।

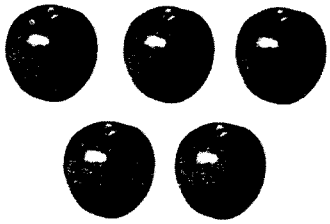

ये पाँच सेब हैं।

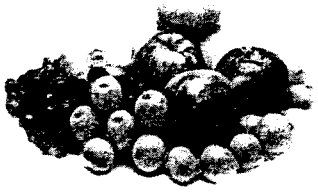

ये कुछ फल हैं।

ऊपर सभी चित्रों में निम्न शब्द संज्ञा हैं।

1. घोड़ा 2. गाय 3. पेड़ 4. पौधा/पेड़

5. लड़का 6. कमीज़ 7. सेब 8. फल

इन सभी शब्दों के साथ कुछ शब्द जुड़े हैं जो उसकी विशेषता बताते हैं।

जैसे–1. सफ़ेद घोड़ा 2. काली गाय 3. लंबा पेड़ 4. छोटा पेड़

5. मोटा लड़का 6. पुरानी कमीज़ 7. पाँच सेब 8. कुछ फल

यहाँ सफ़ेद, काली, लंबा, छोटा, मोटा, पुरानी, पाँच, शब्द विशेषता बता रहे हैं। ये विशेषता बताने वाले शब्द ही विशेषण कहलाते हैं।

प्र०-1 दिए गए विशेषण शब्दों के लिए तीन-तीन विशेषण लिखिए- (उदाहरण देखिए)

क)	लड़का	मेहनती	होशियार	शरारती
ख)	कुत्ता	.....	.....	.....
ग)	कमीज़	.....	.....	.....
घ)	सैनिक	.....	.....	.....
ङ)	दूध	.....	.....	.....

प्र0-2 रिक्त स्थानों की पूर्ति विशेषण शब्दों से कीजिए-

क) ..... बालक दौड़ में प्रथम आया।

ख) नदी का जल ..... है।

ग) आसमान ..... होता है।

घ) घास ..... होती है।

ङ) बर्फ़ ..... होती है।

च) बीरबल ..... थे।

छ) तुलसीदास ..... कवि थे।

ज) यह भवन ..... है।

प्र0-3 नीचे कुछ संज्ञा और विशेषण शब्द दिए गए हैं। (क) की तरह उनके जोड़े बनाकर लिखिए-

	विशेषण	**संज्ञा**	
क)	वीर	बालक	.....
ख)	गरम	चाय	.....
ग)	मोटा	आदमी	.....
घ)	ऊँची	चोटी	.....

ङ) सच्चा मित्र .....

च) कठोर पत्थर .....

छ) योग्य पुत्र .....

ज) बुद्धिमान स्त्री .....

झ) दस केले .....

प्र०–4 विशेषण शब्दों को छाँटिए-

क) वर्षा की ठंडी बूँदें पृथ्वी पर पड़ीं। .....

ख) एक किलो चीनी मंगवा लो। .....

ग) आलसी बच्चे सफल नहीं होते। .....

घ) ईमानदार बालक ने अपने माता–पिता का नाम रोशन किया। .....

ङ) घास कोमल भी है और हरी–भरी भी है। .....

च) श्री कृष्ण मधुर बंसी बजाते थे। .....

कुछ और करने को

प्र0–5 निम्न पंक्तियों में विशेषण शब्द रेखांकित कीजिए-

बंदर मामा

बंदर मामा निकले सड़क पर,
पहन के लाल–सूट।
सिर पर बड़ा हैट, आँख़ पर काला चश्मा,
पैरों में हैं काले बूट।
मटक–मटक कर चलते हैं,
'हैलो' सब से करते हैं।

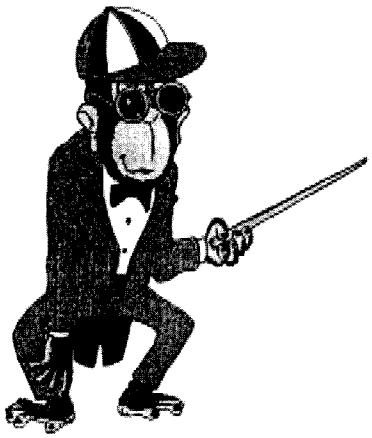

अक्तूबर

मैं कौन हूँ (पाठ)

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

इल्ली भूखी थी। इतने दिन से वह अंडे में बंद थी। क्या खाए? वह दिनभर भूखी रही। सोमवार को उसे सेब दिखाई दिया। इल्ली ने सेब खा लिया। मंगलवार को उसे दो नाशपाती मिल गईं। इल्ली दोनों खा गई। बुधवार को उसे तीन आलू बुखारे दिखे। उसने धीरे–धीरे तीनों खा लिए। गुरुवार को उसने चार रसभरी खाई और शुक्रवार को पाँच खट्टे मीठे संतरे। फिर भी उसकी भूख न मिट पाई। शनिवार को इल्ली ने एक आम, एक लॉलीपॉप, एक टुकड़ा पनीर, बिस्कुट, दाल, रोटी, चावल, तरबूज़ और आइसक्रीम खाई। इतना सारा खाना खाने के बाद इल्ली के पेट में दर्द हो गया।

क) इल्ली भूखी क्यों थी?

.....

.....

ख) इल्ली ने शुक्रवार को क्या खाया?

.....

.....

ग) इल्ली ने कौन–कौन से फल खाए?

.....

.....

घ) शनिवार को खाना खाने के बाद इल्ली की हालत कैसी थी?

.....

.....

प्र०–2 नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

क) दिन – .....

ख) बंद – .....

ग) धीरे–धीरे – .....

घ) खट्टे – .....

प्र०–3 शब्दों के अर्थ लिखिए।

क) भोजन – .....

ख) सप्ताह – .....

ग) शीघ्रता से – .....

प्र०–4 वाक्य बनाइए।

क) सूर्य – .....

.....

ख) छिलका – .....

.....

ग) धीरे–धीरे – .....

.....

घ) चुपचाप – .....

.....

ङ) तंग – .....

.....

प्र०–5 इल्ली ने कौन सा फल किस दिन खाया?

क) सोमवार – ..... नाशपाती

ख) मंगलवार – ..... आलूबुखारा

ग) बुधवार – ..... रसभरी

घ) गुरुवार – ..... सेब

ङ) शुक्रवार – ..... आम

च) शनिवार – ..... संतरा

प्र०–6 तितली के जीवन चक्र का चित्र बनाइए।

गिनती

राजन नाम का एक लड़का अपने माता–पिता और छोटी बहन के साथ रहता था। उसके परिवार में चार लोग थे और वे सब आपस में खुशी–खुशी रहते थे। राजन दिवाली पर कम से कम दस गरीब बच्चों को तोहफ़े देना चाहता था। राजन ने अपने साथ दो दोस्तों को लिया। अब राजन की टोली में तीन लोग थे। घर से निकलते ही पार्क में ठंड से ठिठुरते पाँच बच्चे मिले, राजन ने सब को एक–एक गरम कंबल दिया। छह बच्चे सड़क पर थे पर राजन के पास तो सिर्फ़ पाँच तोहफ़े ही बचे थे। उसने बचे हुए तोहफ़े बाँटे पर एक बच्चा बच गया। आठ बच्चे और आ गए। वह सभी को घर ले आया। माँ ने कुल नौ कंबल और मँगवाए और सभी को दे दिए। सब खुश हो गए और सात बच्चे तो खुशी से गाना गाने लगे।

(क) प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्र०–1 राजन के परिवार में कितने लोग थे?

उ० .....

प्र०–2 राजन कितने लोगों की मदद करना चाहता था?

उ० .....

प्र०–3 राजन की टोली में कितने लोग थे?

उ० .....

(ख) खाली स्थान भरिए–

1. राजन की माँ ने ..... कंबल मँगवाए।

2. ..... बच्चे खुशी से गाना गाने लगे।

3. राजन को ..... बच्चे ठंड से ठिठुरते मिले।

4. ..... बच्चे सड़क पर थे।

(ग) एक से दस तक गिनती लिखकर कविता पूरी करें-

....

खाना खा लो

....

चबाओ बार–बार

....

पीछे मत रह

....

पढ़ लो पाठ

....

अब सो जाओ बस

....

गिनती (हिंदी अंक लिखिए) 1–30

अंक	हिंदी के अंक	शब्द	अंक	हिंदी के अंक	शब्द
1	१	एक	16	.....	.....
2	२	.....	17	.....	.....
3	३	.....	18	.....	.....
.....	४	.....	19	.....	.....
.....	५	पाँच	20	.....	.....
6	६	.....	21	.....	.....
7	७	.....	22	.....	.....
8	८	.....	23	.....	.....
.....	९	नौ	24	.....	.....
10	१०	.....	25	.....	.....
11	११	.....	26	.....	.....
12	१२	.....	27	.....	.....
.....	१३	.....	28	.....	.....
.....	१४	.....	29	.....	.....
.....	१५	.....	30	.....	.....

गिनती का गीत

एक और दो
धरती में यह बीज बो।

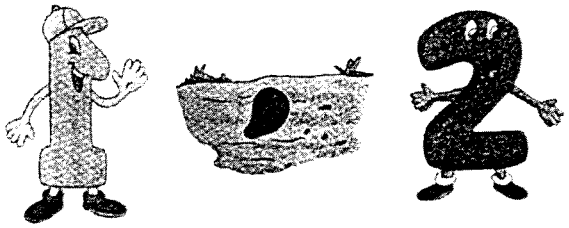

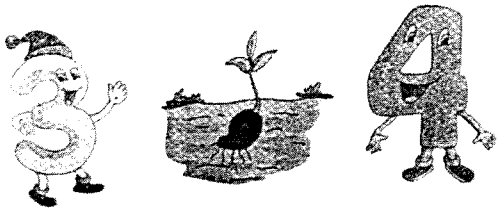

तीन और चार
आ गया पौधा ज़मीन के पार।

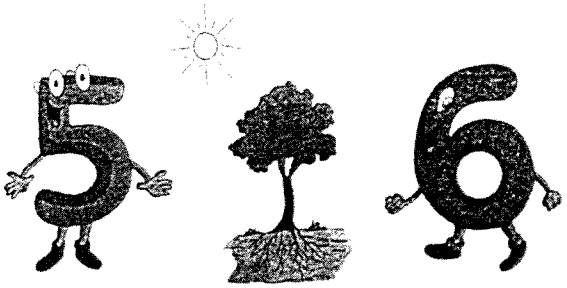

पाँच और छह
हरा–भरा पेड़ धूप को सह।

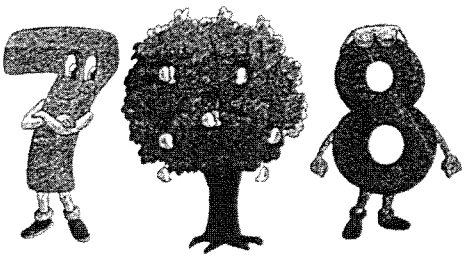

सात और आठ
देखो इसके ठाठबाट।

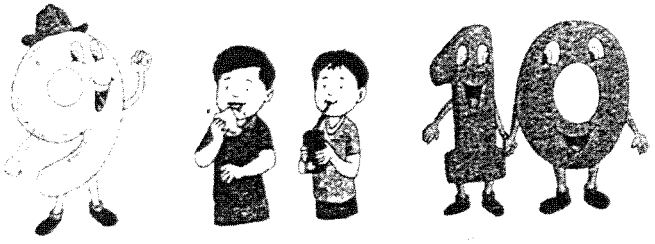

नौ और दस
खाओ आम पियो रस।

एकवचन बहुवचन

नायरा अपने घर में कुरसी पर बैठ कर अपनी मनपसंद किताब पढ़ रही थी, पास ही रखी मेज़ पर पंद्रह किताबें और रखी थीं। सभी कुरसियाँ आरामदेह थीं परंतु नायरा को तो लाल कुरसी ही पसंद थी। वह घर की सभी खिड़कियाँ खुली रखती थी पर वह एक बड़ी खिड़की के पास ही कुरसी रख कर बैठती थी। बाहर बगीचे में बहुत से पेड़ थे पर एक पेड़ था जिस पर लड़कियाँ झूला–झूल रही थीं उस पेड़ के पत्ते बहुत सुंदर थे। नायरा ने देखा कि एक लड़की का जूता फट गया था और वह रो रही थी। नायरा ने तुरंत अपने जूते उस लड़की को दे दिए। बदले में उस लड़की ने नायरा को एक सुंदर पत्ता दिया।

(क) प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्र०–1 नायरा को कौन–सी कुरसी पसंद थी?

उ०– .....

.....

प्र०–2 नायरा अपनी कुरसी कहाँ रख कर बैठती थी?

उ०– .....

.....

प्र०–3 बगीचे में एक लड़की रोने क्यों लगी?

उ०– .....

.....

(ख) बहुवचन लिखिए–

1. कुरसी .....
2. किताब .....
3. लड़की .....
4. पेड़ .....
5. जूता .....
6. पत्ता .....

(ग) वाक्य बनाइए–

कुरसी

.....

.....

पेड़

.....

.....

जूते

.....

.....

बगीचा

.....

.....

नवबंर

देखकर चलो भाई

प्र०–1 नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

राघव – माँ–माँ! दरवाज़ा खोलो!

माँ – (दरवाज़ा खोलते हुए) इतनी देर तक कहाँ थे? आँधी–तूफ़ान का भी ध्यान नहीं।

राघव – माँ, मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा। मेरी आँखों में मिट्टी भर गई है।

माँ – चलो, आँखें धुलवा दूँ। (आँखें धोती हैं)
अब थोड़ी देर लेट जाओ।

राघव – माँ, मेरी आँखों में बहुत दर्द है, खुल ही नहीं रही हैं।

माँ – आँधी रुक ही नहीं रही। डॉक्टर चाचा को फ़ोन करती हूँ, आँधी रुकते ही चले आएँ।

क) राघव की आँखों में क्या भर गया था?

.....

.....

ख) माँ ने किसे फ़ोन किया?

.....

.....

ग) राघव की आँखें खुल क्यों नहीं रही थीं?

.....

.....

प्र०–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) क्षमा – .....

ख) धीमा स्वर – .....

ग) मित्र – .....

घ) अपनी धुन में – .....

प्र०–3 वाक्य बनाइए-

क) आँधी – .....

.....

.....

ख) तमाशा – .....

.....

.....

ग) दवा – .....

.....

.....

घ) धीमे स्वर में –.....

.....

.....

ङ) मित्र –.....

.....

.....

प्र०—4 आपने कभी किसी दोस्त की मदद की? कैसे?

.....

.....

.....

.....

प्र०—5 किसी काम को करने में हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए या नहीं, अपने विचार लिखिए-

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

क्रिया

पार्क का दृश्य

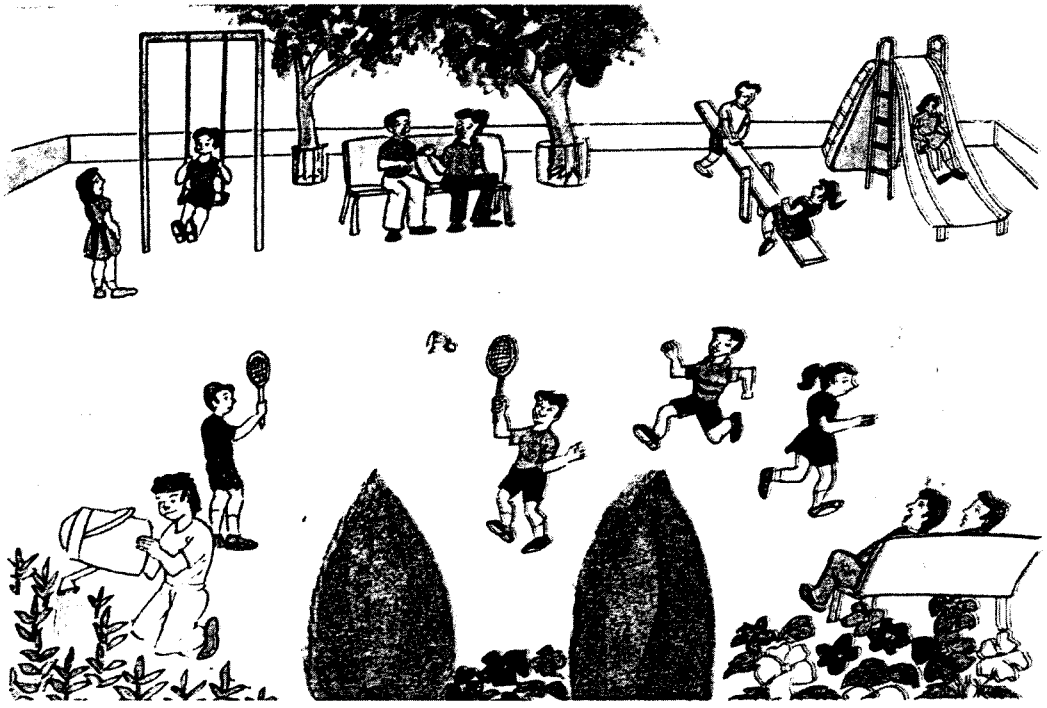

यह एक पार्क का दृश्य है। पार्क में कुछ वृक्ष हैं। कुछ पेड़ पौधे हैं। फूल खिले हैं। एक ओर माली पौधों को पानी दे रहा है और कुछ बच्चे खेल रहे हैं। कुछ दौड़ रहे हैं। कुछ झूला–झूल रहे हैं। कुछ व्यक्ति बैंचों पर बैठे आपस में बातें कर रहे हैं।

ऊपर के चित्र में कोई न कोई काम हो रहा है।

'है' – से पार्क के होने का पता चलता है।

'खिले हैं' – से खिलने का काम हो रहा है।

'दे रहा है' – से देने का काम हो रहा है।

'खेल रहे हैं' – से खेलने का काम हो रहा है।

'झूला–झूल' – से झूला–झूलने का काम हो रहा है।

'बातें करना' – से बातें करने का पता चलता है।

किसी काम का करना या होना ही क्रिया है।

कुछ क्रियाएँ-

हँसना	रोना	उठना	सोना
चलना	दौड़ना	खेलना	बैठना
खाना	पीना	बोलना	गाना
देखना	सुनना	नाचना	पढ़ना
लिखना	उड़ना	धोना	गिरना

प्र०—1 चित्रों को देखकर उनके नीचे उनकी क्रिया लिखिए।

प्र०–2 निम्न वाक्यों में क्रिया शब्दों पर गोला ( ) लगाइए।

क) ललित पौधों को पानी दे रहा है।

ख) खेत में फसल उग रही है।

ग) कमरे में बल्ब जल रहा है।

घ) माँ कपड़े धो रही हैं।

ङ) दादी पलंग पर आराम कर रही हैं।

प्र०–3 उचित क्रिया शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

क) बंदर केला ..... रहा है।

ख) अध्यापक छात्रों को ..... रहे हैं।

ग) कोयल आम के पेड़ पर ..... है।

घ) ललित जल्दी–जल्दी ..... रहा है।

ङ) बगीचे में फूल ..... रहे हैं।

प्र०–4 कोष्ठकों में दी गई क्रियाओं के सही रूप भरते हुए वाक्य पूरे कीजिए-

क) बच्चे टॉफ़ियाँ और चॉकलेट ..... (खाना)

ख) सभी छात्र पिकनिक पर ..... (जाना)

ग) तुमने कौन सी किताब .....? (खरीद)

घ) कुत्ते ..... (भौंक)

ङ) तितलियाँ ..... (उड़)

प्र०–5 निम्न पंक्तियों में क्रियाओं को रेखांकित कीजिए:–

बंदर मुझे बना देना,
लंबी पूँछ लगा देना,
मैं पेड़ पर चढ़ जाऊँगा,
मीठे–मीठे फल खाऊँगा
पापा को दिखाऊँगा,
मम्मी को बताऊँगा।

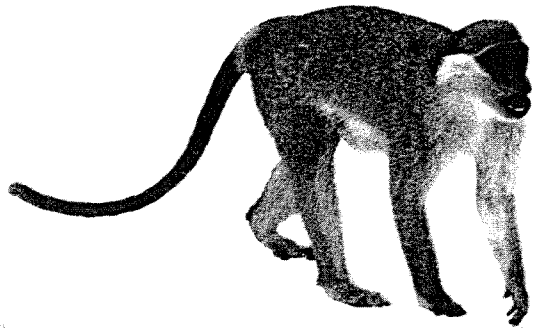

शब्द पहचानिए

उलटे–पुलटे शब्दों को सीधा करके लिखिए।

(क) रमो – मोर

(ख) टीछो – .....

(ग) रशो – .....

(घ) तातो – .....

(ङ) पीटो – .....

(च) रीबो – .....

(छ) टामो – .....

(ज) रखशगो – .....

(झ) शिशको – .....

(ञ) कलढो – .....

दिसंबर

रवींद्र की कलम से

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हमारा घर बहुत बड़ा था। आस–पास के घर भी बड़े–बड़े थे। कई घरों की छतें एक–दूसरे से सटी हुई थीं। मोहल्ले के लड़के वहाँ पतंग उड़ाते थे। रंग–बिरंगी पतंगें उड़ती हुई बहुत अच्छी लगतीं। पतंगों के साथ–साथ उड़ते पक्षी मुझे बहुत भाते। मैं उन दिनों आठ–नौ वर्ष का बालक ही था। उन दिनों लोगों को घरों में पक्षी पालने का बहुत शौक था। मेरी भाभी भी चार रंग–बिरंगी चिड़ियाँ और एक नया पिंजरा ले आईं। पिंजरे में बैठा पक्षियों का जोड़ा चिल्ला रहा था। सभी खुश थे, बस मैं ही उदास था। मैंने भाभी से कहा–आप इन पक्षियों पर अत्याचार कर रही हैं। भाभी ने मुझे डाँटते हुए कहा–छोटा मुँह बड़ी बात। अपनी उम्र तो देखो! जाओ, छत पर तुम्हारे मित्र पतंग उड़ा रहे हैं।

क) पाठ के लेखक का नाम क्या है और वे किस भाषा के लेखक थे?

.....

.....

ख) आठ – नौ वर्ष के बालक को क्या बहुत पसंद था?

.....

.....

ग) बालक के घर सभी बहुत खुश क्यों थे?

.....

.....

घ) भाभी ने डाँटते हुए क्या कहा?

.....

.....

प्र०–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) सखी – .....

ख) झल्लाना – .....

ग) सहम – .....

घ) खुद – .....

ङ) विनती – .....

प्र०–3 वाक्य बनाइए-

क) अत्याचार–.....

.....

.....

ख) आस–पास– .....

.....

.....

ग) स्वतंत्र–.....

.....

.....

घ) मोहल्ला–.....

.....

.....

ङ) अनुचित–.....

.....

.....

प्र०–4 आपको कौन सा पक्षी बहुत पसंद है? और क्यों?

.....

.....

.....

प्र०–5 पिंजरे में बंद पक्षी को देखकर आपको कैसा लगता है? उस पक्षी को बंद रखना चाहिए या आज़ाद करना चाहिए। अपने विचार लिखिए।

.....

.....

.....

.....

प्र०–6 किसी चिड़िया का चित्र चिपकाएँ या बनाएँ?

विलोम शब्द

गद्यांश को ध्यान से पढ़िए।

एक दिन की बात है। माँ घर में खाना बना रही थी। रसोई में कुछ सामान नीचे रखा था कुछ ऊपर। ऊपर का सामान उठाने में माँ को कठिनाई हो रही थी। उन्होंने अपने बेटे राजू को बुलाया। राजू भीतर से बाहर आ गया। वह बहुत परिश्रमी बालक था आलसी नहीं था। उसने माँ का सारा हलका और भारी सामान देखा। ऊपर से कुछ सामान उतारना आसान था पर कुछ बहुत मुश्किल था। उसने छोटा–बड़ा सामान इकट्ठा किया और सही तरीके से सब सजाने लगा। जो सामान गलत रखा था उसे माँ ने ठीक कर दिया। माँ का सारा काम सुबह–सुबह हो गया शाम तक उन्हें प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। खुश होकर माँ ने राजू को गरम –गरम खीर खिलाई।

अब नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) माँ कहाँ काम कर रही थीं?

उत्तर .....

.....

.....

(ख) राजू कैसा बालक था?

उत्तर .....

.....

.....

(ग) विलोम शब्दों से खाली स्थान भरिए-

(i) राजू को गरम खीर अच्छी लगती थी ..... नहीं।

(ii) रसोईघर में कुछ सामान नीचे रखा था कुछ .....।

(iii) माँ की आवाज़ सुनकर राजू भीतर से ..... आ गया।

(घ) नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(i) गरम × .....

(ii) सही × .....

(iii) छोटा × .....

(iv) सुबह × .....

(v) हलका × .....

(ङ) विलोम शब्दों से खाली स्थान भरिए और कविता पूरी करिए–

राजू था एक अच्छा बच्चा

दिन ..... करता काम

सच वह बोले

..... न बोले

सबके आए काम।

पढ़ो–लिखो और आलस छोड़ो

करो परिश्रम सुबह और .....

सबका मन खुश होगा भैया

ऊँचा होगा नाम।

विलोम

ठंडा

रात

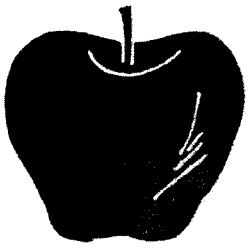

पूरा

गरम

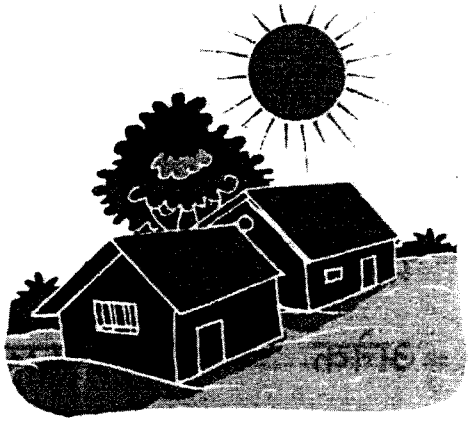

दिन

आधा

बच्चों, ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे कुछ शब्द लिखे हुए हैं–ठंडा–गरम, रात–दिन, पूरा–आधा। ये शब्द एक–दूसरे से उलटा अर्थ दे रहे हैं यानी एक–दूसरे के **विपरीत** हैं। इन शब्दों को **विलोम** शब्द कहा जाता है।

एक-दूसरे का विपरीत या उलटा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम कहलाते हैं।

कुछ विलोम शब्द

1.	ऊपर	x	नीचे	16.	बुद्धिमान	x	मूर्ख
2.	अंदर	x	बाहर	17.	नया	x	पुराना
3.	अच्छा	x	बुरा	18.	हलका	x	भारी
4.	अपना	x	पराया	19.	पास	x	दूर
5.	सूखा	x	गीला	20.	लेना	x	देना
6.	स्वस्थ	x	अस्वस्थ	21.	सुबह	x	शाम
7.	हार	x	जीत	22.	मोटा	x	पतला
8.	प्रश्न	x	उत्तर	23.	सुखी	x	दुखी
9.	सच	x	झूठ	24.	अमीर	x	गरीब
10.	स्वच्छ	x	अस्वच्छ	25.	उजाला	x	अँधेरा
11.	कड़वा	x	मीठा	26.	काला	x	सफ़ेद
12.	एक	x	अनेक	27.	कायर	x	वीर
13.	खूबसूरत	x	बदसूरत	28.	रात	x	दिन
14.	परिश्रमी	x	आलसी	29.	आकाश	x	पाताल
15.	आशा	x	निराशा	30.	विष	x	अमृत

प्र०–1 रेखांकित शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे करिए-

1. पंक्ति में मेरे ..... पाँच लोग खड़े थे और पीछे दस लोग।
2. आपको इस दवाई से फ़ायदा होगा, ... नहीं होगा।
3. रेलगाड़ी कल ..... से आई थी और आज जल्दी आ रही है।
4. जोगा सिंह पहले बहुत ..... था, और अब अमीर हो गया है।

प्र०–2 हर शब्द के सामने तीन शब्द हैं। विलोम शब्द के नीचे रेखांकन करिए।

सच्चा	–	अच्छा	झूठा	पक्का
हलका	–	भारी	खुश	मुलायम
सरल	–	सीधा	आसान	कठिन
शुरू	–	खत्म	शुरुआत	आरंभ
गरीब	–	गरीबी	गर्व	अमीर
नया	–	पुराना	नवीन	अनया
सफ़ल	–	सफ़लता	लाभदायक	असफ़ल
आदर	–	आदरणीय	अनादर	आधार

प्र०–3 संकेतों की सहायता से विलोम शब्द लिखकर शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

नीचे

1. धनी का विलोम
2. अंधकार का विलोम
3. परिश्रमी का विलोम

सीधे

2. उत्तर का विलोम
3. पाताल का विलोम
4. डरपोक का विलोम

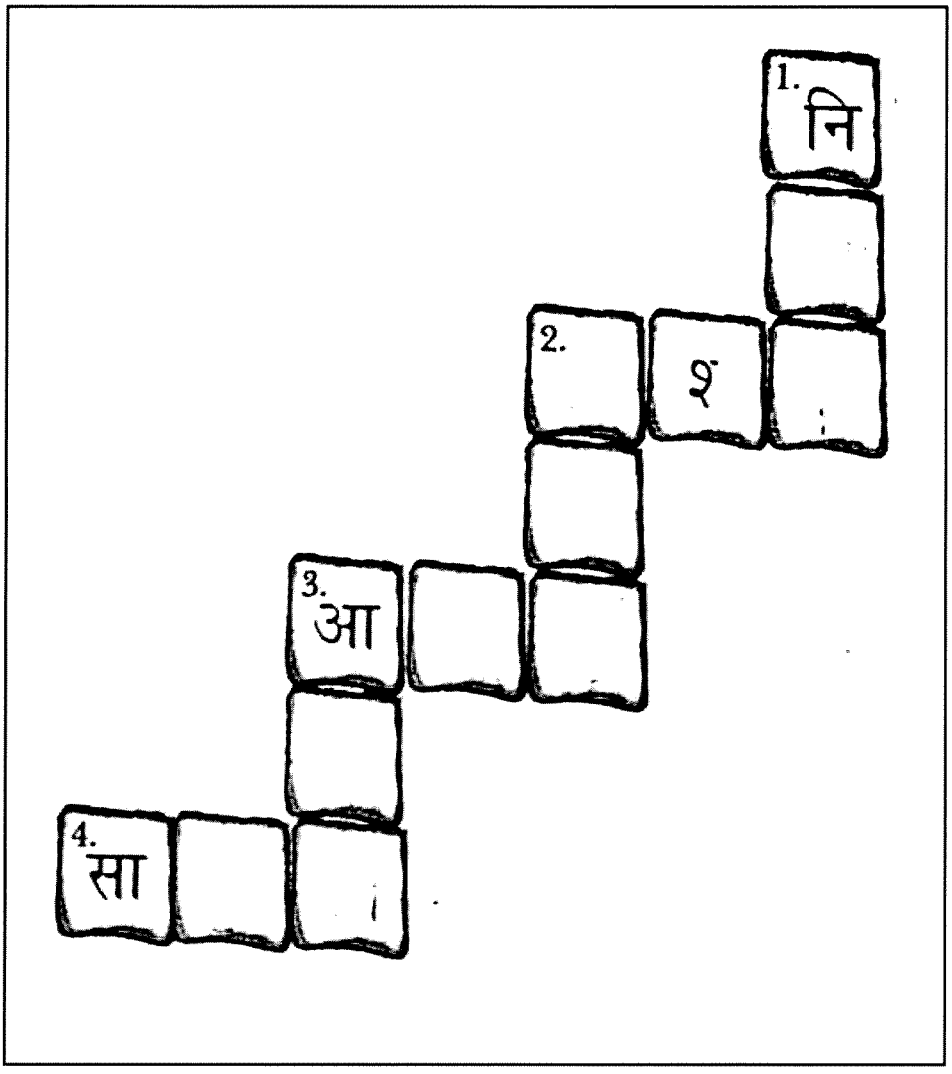

जनवरी

तितली (कविता)

दूर देश से आई तितली
चंचल पंख हिलाती
फूल–फूल पर, कली–कली पर
इतराती इठलाती।

यह सुंदर फूलों की रानी
धुन की मस्त दीवानी,
हरे भरे उपवन में आई
करने को मनमानी।

कितने सुंदर पर हैं इसके
जगमग रंग–रँगीले,
लाल हरे बैंगनी बसंती
काले नीले पीले।

कहाँ–कहाँ से फूलों के रंग
चुरा–चुरा कर लाई
आते ही इसने उपवन में
कैसी धूम मचाई!

डाल–डाल पर पात–पात पर
यह उड़ती फिरती है,
कभी खूब ऊँची चढ़ जाती
फिर नीचे गिरती है।

कभी फूल के रस पराग पर
रुक कर जी बहलाती,
कभी कली पर बैठ, न जाने
गुप–चुप क्या कह जाती!

– निरंकार देव 'सेवक'

प्र०–1 कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) तितली उड़ती–उड़ती कहाँ पहुँची?

.....

.....

.....

ख) तितली के पर कैसे दिखते हैं?

.....

.....

.....

ग) तितली हरे–भरे उपवन में क्या करने आई है?

.....

.....

.....

प्र०–2 समान अर्थ वाले शब्द पद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।

(क) बगीचा .....

(ख) खूबसूरत .....

(ग) सुमन .....

(घ) पर .....

प्र०–3 गद्यांश में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(क) पास .....

(ख) सफ़ेद .....

(ग) आती .....

(घ) नीची .....

(ङ) ऊपर .....

प्र०—4 वाक्य बनाइए।

(क) इतराती .....

.....

(ख) उपवन .....

.....

(ग) मनमानी .....

.....

(घ) जगमग .....

.....

(ङ) ऊँची .....

.....

प्र०—5 तितली का चित्र बनाकर रंग भरिए।

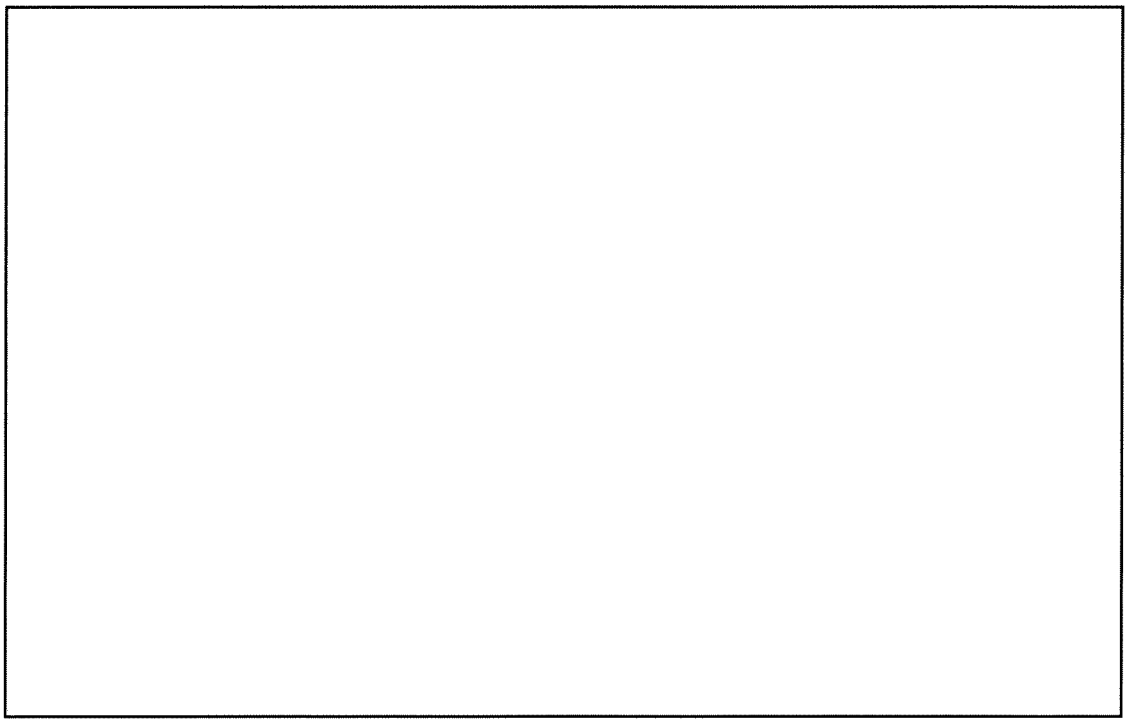

अपठित गद्यांश

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

तितलियों का एक सुदंर–सा देश था, जहाँ रंग बिरंगी तितलियाँ रहती थीं। सात रंगों की रानी तितली अपने सुंदर देश को देखकर बहुत इतराती थी। एक दिन तितलियों के इस देश में खुशी का माहौल छा गया। गुलाबी रंग की तितली ने एक प्यारी बेटी को जन्म दिया। जिसका रंग काला था। उसके पंख भी काले थे। एक तितली रानी तितली के पास जाकर बोली, "रानी माँ! गुलाबी तितली ने एक काली तितली को जन्म दिया है"। यह सुन रानी तितली को बहुत बुरा लगा। वह काली तितली को देखने नहीं गई। काली तितली धीरे–धीरे बड़ी हुई, पर उसका कोई दोस्त नहीं बना। छोटी तितली खुश नज़र नहीं आती। वह अकेले एक फूल पर बैठ जाती। धीरे–धीरे उसकी उदासी पूरे देश में फैल गई। पेड़ पौधे मुरझा गए। फूलों ने खिलना बंद कर दिया। उजड़े बाग को देखकर तितली रानी को अपनी गलती का एहसास हुआ। फिर उसने काली तितली को बुलाकर उसे खूब प्यार किया।

क) तितलियों का देश कैसा था और वहाँ कौन रहती थी?

उत्तर .....

.....

ख) तितली रानी देखने में कैसी थी और वह क्यों इतराती थी?

उत्तर .....

.....

ग) तितलियों के देश में खुशी का माहौल क्यों छा गया?

उत्तर .....

.....

घ) रानी तितली को अपनी गलती का एहसास कब हुआ?

उत्तर .....

.....

प्र०–2 विलोम शब्द लिखिए-

क) गोरा – .....

ख) रात – .....

ग) दुश्मन – .....

घ) जल्दी जल्दी– .....

प्र०–3 सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों को भरिए-

(उदासी, खुश, काली तितली, सुंदर सा)

क) तितलियों का एक ..... देश था।

ख) गुलाबी तितली ने ..... को जन्म दिया।

ग) पूरे देश में ..... छा गई।

घ) छोटी तितली.....नज़र नहीं आती।

प्र०–4 एक सुंदर-से बगीचे में रंग बिरंगी तितलियाँ, फूल इत्यादि चिपका कर बनाइए या चित्रांकन करिए।

अपठित गद्यांश

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मैं एक बरगद का बूढ़ा पेड़ हूँ। वर्षों से यहाँ खड़ा हूँ। अभी तक मैं चुप था। पर अब मुझे बोलना ही पड़ेगा। निर्दयी मनुष्य ने एक–एक करके मेरे हज़ारों भाई बंधुओं को काट डाला है। हे ईश्वर! कौन हमारी रक्षा करेगा? मुझे यह देखकर दुख होता है कि मनुष्यों ने हमें काटकर अपना ही नुकसान किया है। ज़रा सोचिए, जब हम ही नहीं रहेंगे तो वातावरण को कौन शुद्ध करेगा? चारों और हरियाली कैसे होगी? वर्षा कैसे होगी? मेरी तो यही पुकार है, हमें मत काटो। हमसे ही मनुष्य और प्राणियों का जीवन है। पर अब मुझे खुशी है कि कुछ लोग हमारी रक्षा के लिए आगे आए हैं। वृक्षारोपण कर रहे हैं। खूब पेड़ लगाओ उनकी देखभाल करो। तभी वातावरण हरा भरा सुंदर रहेगा।

क) गद्यांश के लिए एक सही शीर्षक लिखिए।

.....

.....

ख) गद्यांश में कौन पुकार रहा है?

.....

.....

ग) बरगद के पेड़ ने मनुष्य को क्यों निर्दयी कहा?

.....

.....

घ) बरगद का पेड़ अब क्यों खुश है?

.....

.....

प्र०–2 अर्थ पढ़कर उसके शब्द गद्यांश से ढूँढकर लिखिए-

क) भगवान – .....

ख) जिसमें दया न हो – .....

ग) पेड़ लगाना – .....

घ) आदमी – .....

प्र०–3 दिए गए वाक्यों के सामने सही या गलत लिखिए-

क) पक्षी अपना घोंसला पेड़ों पर बनाते हैं। .....

ख) पेड़ वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। .....

ग) मनुष्य और प्राणियों का जीवन पेड़ों से है। .....

घ) हमें हरे पेड़ों को काटना चाहिए। .....

प्र०–4 दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

क) मनुष्य – ....

ख) ईश्वर – ....

अपठित गद्यांश

प्र०—1 गद्यांश पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

गुजरात के एक जंगल में काली नाम की एक लोमड़ी रहती थी। वह बहुत ही आलसी और कामचोर थी। कोई काम नहीं करती थी। वह चाहती थी कि बिना परिश्रम किए ही उसे खाने को मिल जाए। उसे मेहनत न करनी पड़े। उसके इस स्वभाव से जंगल के सभी जानवर उससे परेशान थे।

एक दिन वह एक पेड़ के नीचे आराम कर रही थी। उसे तेज़ भूख लगी। उसने देखा कि कुछ चींटियाँ अनाज के दाने लेकर जा रही हैं।

काली ने सोचा–'चींटियों की बाँबी में बहुत अनाज होगा। क्यों न चींटियों के अनाज को खाकर ही अपनी भूख मिटा लूँ।

कामचोर लोमड़ी ने चींटियों की बाँबी को खोदना शुरू किया। जब चींटियों ने काली को बाँबी खोदते देखा तो उन्हें बहुत क्रोध आया। चींटियाँ बोली– ''परिश्रम करके अनाज हम लाएँ और तुम उसे चट कर जाओ।'' यह कहकर चींटियों ने लोमड़ी पर हमला कर दिया और उसे बुरी तरह काट लिया।

आलसी लोमड़ी दर्द से चीखते–चिल्लाते हुए भागी और बोली– 'बाप रे बाप! चींटियाँ भी इतनी भयानक हो सकती हैं? ऐसा मैं सोच भी नहीं सकती थी।

क) लोमड़ी का नाम क्या था और वह कहाँ रहती थी?

.....

.....

.....

ख) जंगल के जानवर लोमड़ी से क्यों परेशान थे?

.....

.....

.....

ग) चींटियाँ कहाँ रहती थीं?

.....

.....

.....

घ) चींटियों को गुस्सा क्यों आया?

.....

.....

.....

प्र०–2 गद्यांश में आए समान अर्थ वाले शब्द लिखिए-

क) गुस्सा – .....

ख) वृक्ष – .....

ग) आक्रमण – .....

घ) आरंभ – .....

अपठित गद्यांश

प्र०–1 गद्यांश पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक बार बादशाह अकबर और बीरबल नगर में घूमने निकले। इतने में एक तोता बेचने वाला उनके पास आया और एक तोते के गुणों का बखान करने लगा। वह तोता मनुष्य की बोली की तुरंत नकल उतार सकता था। गीत गाकर सबका मनोरंजन कर सकता था। कई प्रकार के खेल दिखाकर प्रसन्न कर सकता था। बादशाह अकबर ने उस तोते को खरीद लिया। कुछ दिनों तक तो अकबर समय निकालकर उस तोते के खेल देखते रहे, परंतु राज कार्य में रुकावट पड़ने के कारण उन्होंने बीरबल से पूछा–"बीरबल, इस तोते को कहाँ रखा जाए, जिससे इसका लालन–पालन अच्छी तरह हो सके"।

बीरबल ने कहा – महाराज, आप इस तोते को मेरे मित्र रामपाल को दे दें। बादशाह अकबर ने बीरबल की बात मान ली तथा रामपाल को बुलाकर कहा– "तुम इस तोते को अपने पुत्र की तरह पालना।" रामपाल ने राजा की बात खुशी से मान ली क्योंकि उसकी पत्नी और बच्चों को भी पक्षियों से बहुत प्यार था। वे सब मिलकर उस तोते की देखभाल करते थे।

क) बादशाह अकबर और बीरबल कहाँ घूम रहे थे?

.....

.....

.....

ख) बादशाह अकबर ने तोता क्यों खरीदा?

.....

.....

.....

ग) बादशाह अकबर ने तोते के पालन–पोषण का भार किसे सौंपा और क्या कहा?

.....

.....

.....

घ) रामपाल की पत्नी और बच्चे क्यों खुश हुए?

.....

.....

.....

प्र०–2 गद्यांश में से ढूँढकर समान अर्थ वाले शब्द लिखिए-

क) राजा – .....

ख) अड़चन – .....

ग) प्रेम – .....

घ) वजह – .....

ङ) इनसान – .....

च) एकदम से – .....

फरवरी

नन्हीं बूँदें (कविता)

प्र०–1 पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

काले काले बादल की,
हम नन्हीं–नन्हीं बूँदें हैं।
रिमझिम, छम–छम मीठा गाकर,
झूम–झूमकर जल बरसाती।
छोटी हैं पर काम बड़े हैं,
बूँद–बूँद से सागर भरतीं।
बढ़ जाता है जिसको छूतीं,
खुशियों से भर जाती धरती।

क) नन्हीं–नन्हीं बूँदों का घर कहाँ पर है?

.....

.....

ख) बूँदे जल कैसे बरसाती हैं?

.....

.....

ग) बूँदे कैसी दिखती हैं और क्या काम करती हैं?

.....

.....

घ) धरती कब खुशियों से भर जाती है?

.....

.....

प्र०–2 अतिरिक्त शब्द अर्थ-

क) नन्हीं – .....

ख) जगत – .....

ग) धरती – .....

प्र०–3 वाक्य बनाइए –

क) हरियाली–.....

.....

.....

ख) शीतल– .....

.....

.....

ग) धरती–.....

.....

.....

घ) मीठा–.....

.....

.....

ङ) बूँदें–.....

.....

.....

प्र०—4 बारिश में भीगना आपको कैसा लगता है? जब आप भीगे कपड़ों में घर लौटते हैं, तब क्या होता है?

.....

.....

.....

.....

प्र०—5 रंग बिरंगी छतरी बनाइए।

अनुच्छेद लेखन

मेरी प्रिय पुस्तक

अनुच्छेद लेखन

दीपावली

वर्ण

झुन झुन ट्रिन ट्रिन टिक टिक

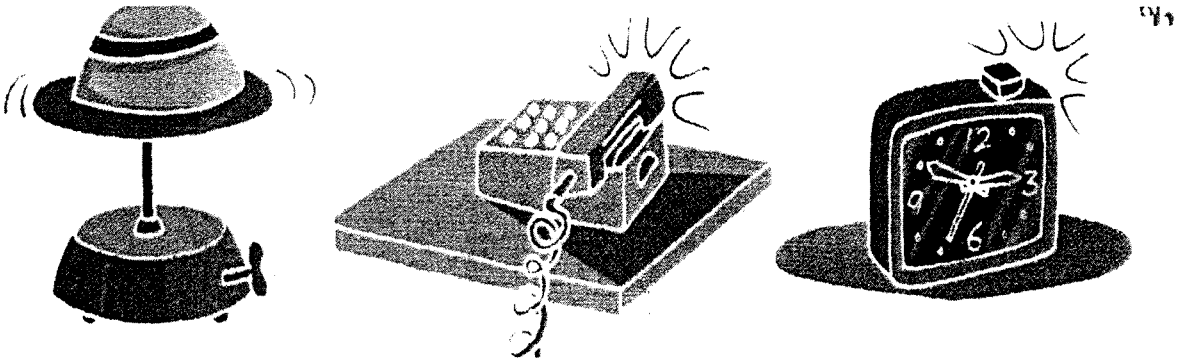

बच्चों, दिनभर हम और आप ऐसी बहुत–सी ध्वनियाँ सुनते हैं। हमारे मुख से निकली ध्वनियों से ही भाषा बनती है। इन ध्वनियों को जब लिखा जाता है तो ये वर्ण कहलाती हैं।

जिस ध्वनि के टुकड़े न हो सकें, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।

वर्णो के प्रकार

वर्ण दो प्रकार के होते हैं : 1. स्वर 2. व्यंजन

वर्ण विचार

किसी भी भाषा को बोलने के लिए शब्दों की आवश्यकता होती है। शब्द स्वर और व्यंजन के मेल से बनते हैं। हिंदी भाषा में 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं।

स्वर

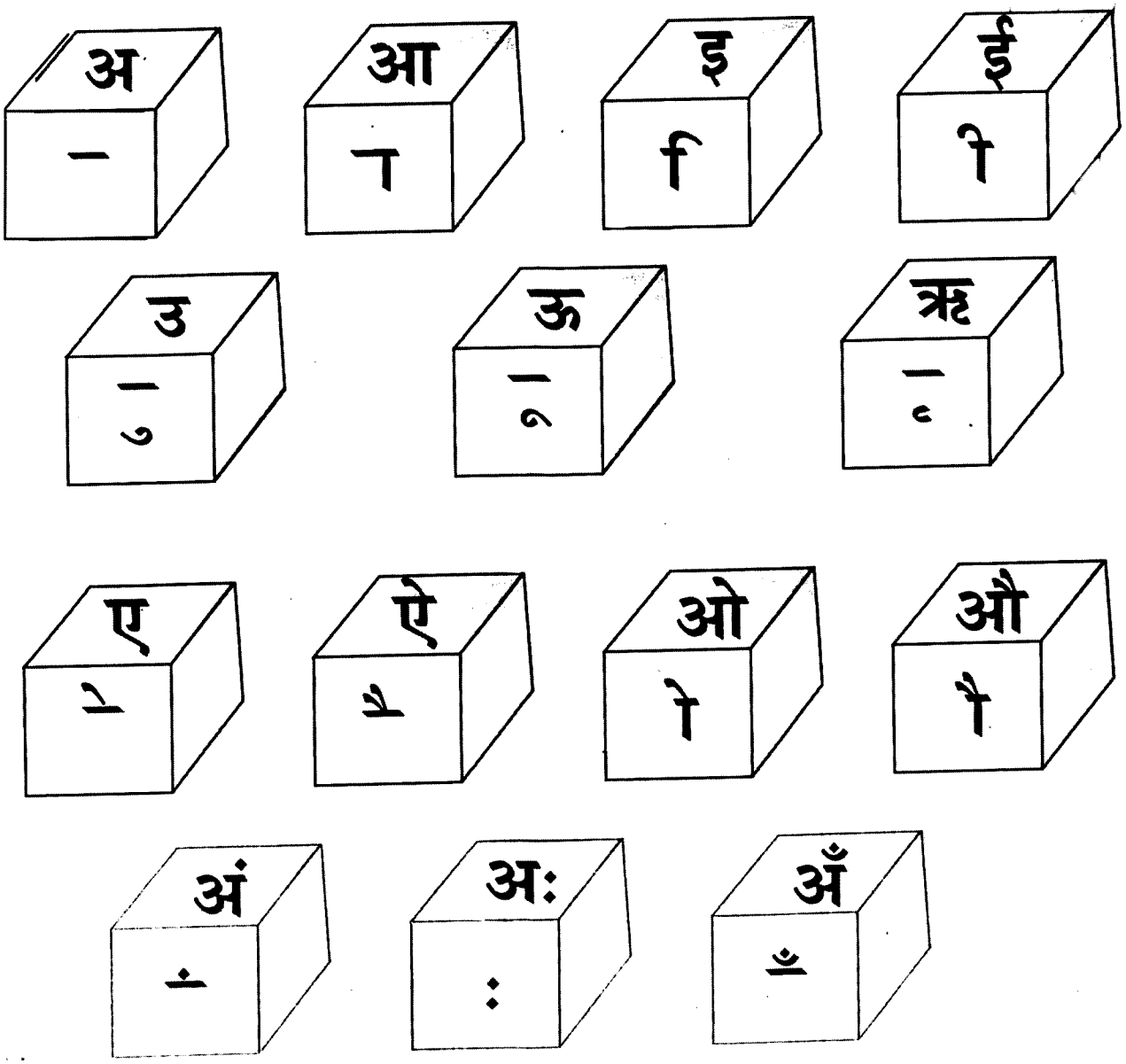

व्यंजन

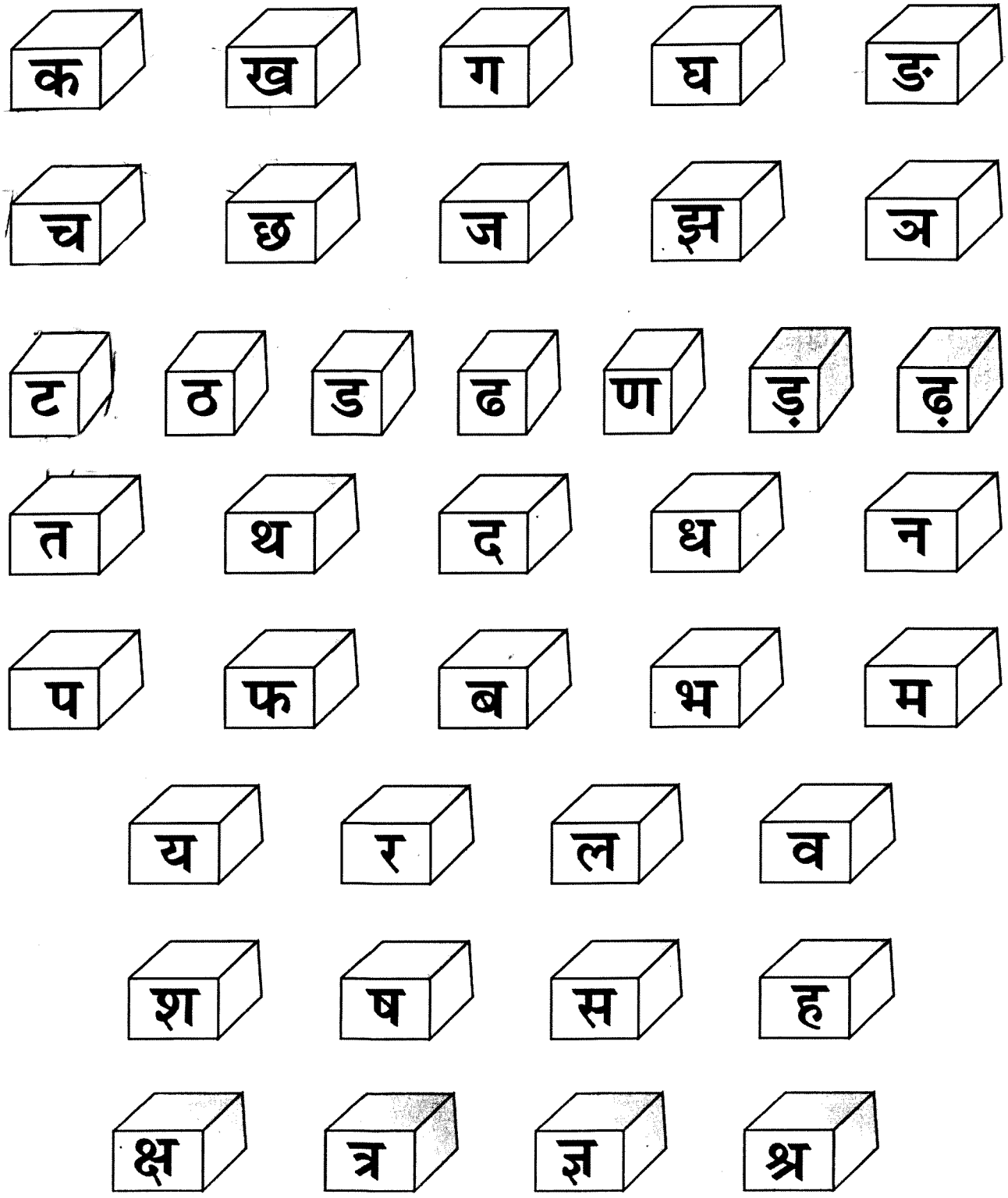

संयुक्त व्यंजन

क्ष त्र ज्ञ श्र

गद्यांश को ध्यान से पढ़िए–

एक आश्रम में एक बहुत ही महान ऋषि रहते थे। वे अपना सारा समय, पूजा–पाठ में लगाते थे। उनके आस–पास कई पक्षी और जानवर घूमते रहते थे जिन्हें ऋषि बहुत प्यार करते थे और उनका ध्यान भी रखते थे। एक दिन एक राक्षस जैसा व्यक्ति वहाँ घूमने आया और आश्रम की शांति को भंग करने लगा। ऋषि का सारा श्रम व्यर्थ हो गया, जब इस व्यक्ति ने ऋषि के आश्रम को तहस–नहस करना शुरु कर दिया। यह सब देखकर ऋषि के अश्रु निकल आए। उनका परिश्रम से बनाया गया आश्रम टूट गया। ऋषि बहुत ज्ञानी थे उनके पास त्रिशूल भी था पर उन्होंने उस व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया। उन्होंने उसे क्षमा कर दिया। जब उस व्यक्ति ने देखा कि ऋषि ने किसी प्रकार का क्रोध नहीं दिखाया तो उसे ज्ञात हो गया कि वे एक महान और क्षमाशील व्यक्ति हैं। उसने ऋषि से क्षमा माँगी और आश्रम को फिर से ठीक कर दिया। सभी पक्षी और जानवर ऋषि के ज्ञान से प्रभावित हो गए।

अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) ऋषि अपना सारा समय किसमें लगाते थे?

उत्तर .....

.....

.....

(ख) ऋषि के आस–पास कौन घूमता था?

उत्तर .....

.....

.....

(ग) क्ष, त्र, ज्ञ और श्र से ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखिए जो गद्यांश में लिखे हैं।

क्ष	**त्र**	**ज्ञ**	**श्र**
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(घ) संयुक्त व्यंजन वाले शब्द चुनकर सही जगह पर लिखिए–

श्रम	पत्र	पत्रिका	प्रज्ञा
अज्ञात	भाषा	वर्ण	श्रीमान
आश्रम	आज्ञा	मित्र	श्रुतलेख
कक्षा	पक्षी	मिलना	खाना
ज्ञान	अक्षर	क्षमा	मात्रा

क्ष	**त्र**	**ज्ञ**	**श्र**
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(ङ) सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

परिश्रम	अक्षर	मित्र	श्रुतलेख	पत्र	ज्ञान

(क) हम कक्षा में सुलेख और ..... करते हैं।

(ख) ..... मिलकर नए–नए शब्द बनाते हैं।

(ग) मेरे ..... आज शाम को मेरे घर आएँगे।

(घ) माँ ने कल दादाजी को एक ..... लिखा।

(ङ) किताबों से हमें ..... मिलता है।

(च) ..... करने वालों को हमेशा सफ़लता मिलती है।

संयुक्त व्यंजन

पढ़िए–

दो वर्ण मिलाकर संयुक्त व्यंजन बनते हैं। जैसे

श्	+	र्	+	अ	=	श्र
ज्	+	ञ्	+	अ	=	ज्ञ
त्	+	त्	+	अ	=	त्र
क्	+	ष्	+	अ	=	क्ष

नीचे लिखे गए शब्दों को दो-दो बार लिखिए।

ध्यान राज्य प्रश्न प्याज़ विद्या

.....

.....

वक्त रक्षा लज्जा बच्चा मित्र

.....

.....

ऋषि चित्रकार ज्ञान श्रमिक कक्षा

.....

.....

र के रूप

रूपक व रूपाली समुद्र तट पर अपने माता–पिता के साथ एक छोटे से घर में रहते थे। वे विनम्र स्वभाव के बच्चे थे। शुक्रवार का दिन था, सुबह का समय था रूपक ने खिड़की से पर्दा हटा कर देखा तो आकाश में इंद्राधनुष दिखाई दिया। पृथ्वी से आकाश की ओर जाता हुआ एक अद्‌भुत नज़ारा था।

रूपाली ने देखा कि पास ही रेल की पटरी पर एक ट्रेन तेज़ी से चली आ रही है। रूपक ने देखा कि सड़क पर एक ट्रक उतनी ही गति से आ रहा है। दोनों आपस में टकरा सकते हैं। रूपक तुरंत घर से एक लाल कमीज़ ले आया और एक बड़े से डंडे पर बाँध कर ज़ोर–ज़ोर से हिलाने लगा। लाल कपड़े को देख कर ट्रक और ट्रेन दोनों समय से रुक गए और एक दुर्घटना होने से बच गई।

राष्ट्रपति ने दोनों बच्चों को पुरस्कार दिया और रूपक व रूपाली ने राष्ट्रपति को प्रणाम किया। माँ दोनों को मंदिर ले गईं वहाँ सबने प्रसाद ग्रहण किया। अब सब खुश थे।

प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्र.–1 रूपक व रूपाली कहाँ रहते थे?

उत्तर .....

प्र.–2 आकाश में क्या दिखाई दिया?

उत्तर .....

प्र.–3 रूपक व रूपाली ने ट्रक और ट्रेन को आपस में टकराने से कैसे रोका?

उत्तर .....

प्र.–4 शब्दों को छाँट कर सही समूह में लिखिए?

ट्रेन, पर्दा, ड्राइवर, प्रणाम, समुद्र, ट्रक, दुर्घटना, पृथ्वी, शर्म, कृपा, फ़र्क, प्रसाद, कृष्ण, वृक्ष, शुक्रवार, राष्ट्रपति

....

....

....

....

प्र.–5 आप रूपक और रूपाली की जगह होते तो क्या करते?

उत्तर .....

.....

.....

अभ्यास - 'रु' और 'रू'

'रु' और 'रू' वाले शब्द अलग-अलग लिखिए।

रुक, रुई, रूलर, अमरूद, रुपया, रुनझुन,

शुरू, रुचि, रूपा, रूप, ज़रूरी, गुरु

'रु'	'रू'
रुपया	रूलर
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

मात्रा अभ्यास

सही जगह पर ' ृ ' की मात्रा लगाइए।

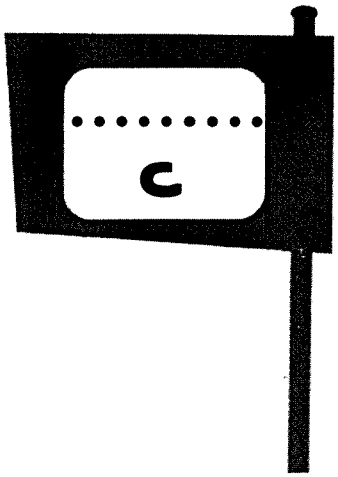

(क) वक्ष – वृक्ष

(ख) अमत – .....

(ग) घणा – .....

(घ) तण – .....

(ङ) मदुल – .....

(च) गह – .....

(छ) मग – .....

(ज) कपा – .....

सही जगह पर .... की मात्रा लगाइए।

नस – नर्स

फश – ....

मुगा – ....

कम – ....

धम – ....

पाक – ....

हष – ....

सप – ....

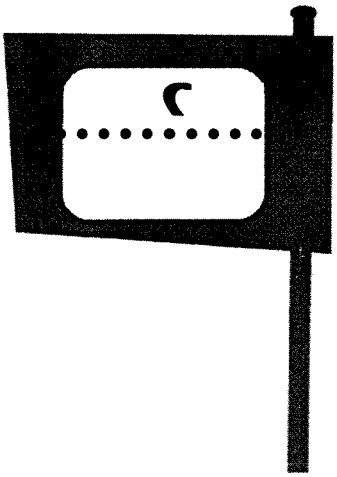

सही जगह पर '/ ' की मात्रा लगाइए।

चक – चक्र

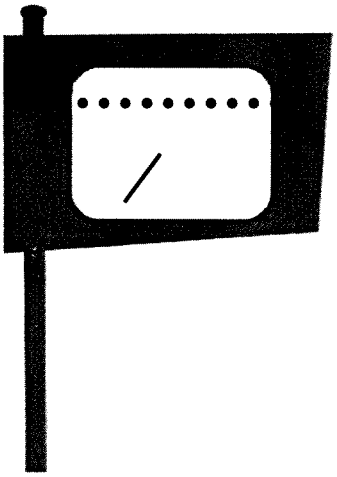

पण – _____

पाण – _____

उम – _____

भम – _____

गह – _____

कम – _____

सही जगह पर ' ^ ' की मात्रा लगाइए।

टक – ट्रक

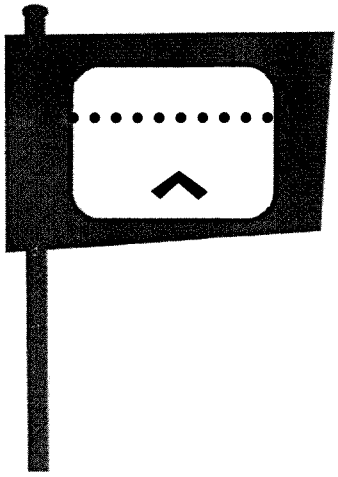

डम – .....

टाम – .....

राष्ट – .....

टेन – .....

टॉफ़ी – .....

टैफ़िक – .....

इनके नाम लिखें और 'र' के अलग-अलग रूप देखें।

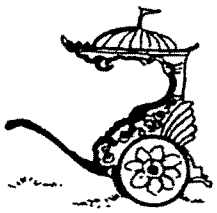

रस्सा .... लकीर .... रथ ....

र

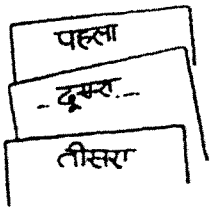

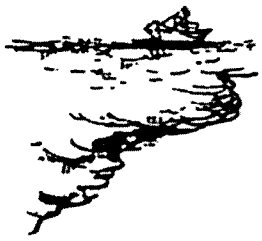

क्रम .... समुद्र .... प्रणाम ....

्र

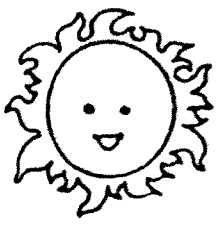

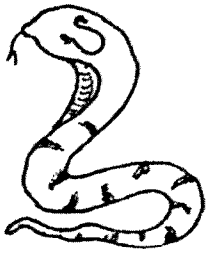

सूर्य .... वर्षा .... सर्प ....

र्

अभ्यास

इन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) कर्म – अच्छे कर्म करते रहो।

(ख) पर्वत – .....

(ग) कार्य – .....

(घ) चंद्रमा – .....

(ङ) ग्राम – .....

(च) गृह – .....

(छ) उम्र – .....

(ज) वृक्ष – .....

(झ) सूर्य – .....

(ञ) वर्षा – .....

(ट) क्रम – .....

विशेष– 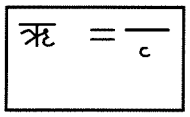

द् + ऋ = दृ

व् + ऋ = वृ

ऋ की मात्रा – वृक्ष, मृग, दृश्य, प्रकृति, कृष्ण, गृह

1. 'र' में उ तथा ऊ की मात्रा का प्रयोग–

र् + उ = रुक, रुपया

र् + ऊ = अमरूद, रूठना

2. 'र' के रूप-

= पर्व, वर्ष, गर्व, कार्य

= प्रकाश, क्रम, सब्र, ग्रह

= ट्रक, ड्रम, ट्राम

सुनिए, पढ़िए और लिखिए-

1. क्योंकि – ....
2. इसलिए – ....
3. क्रोध – ....
4. परिश्रम – ....
5. मूर्ति – ....
6. कार्यक्रम – ....
7. सूर्य – ....
8. ट्रैक्टर – ....

आओ अभ्यास करें-

भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के नाम लिखिए।

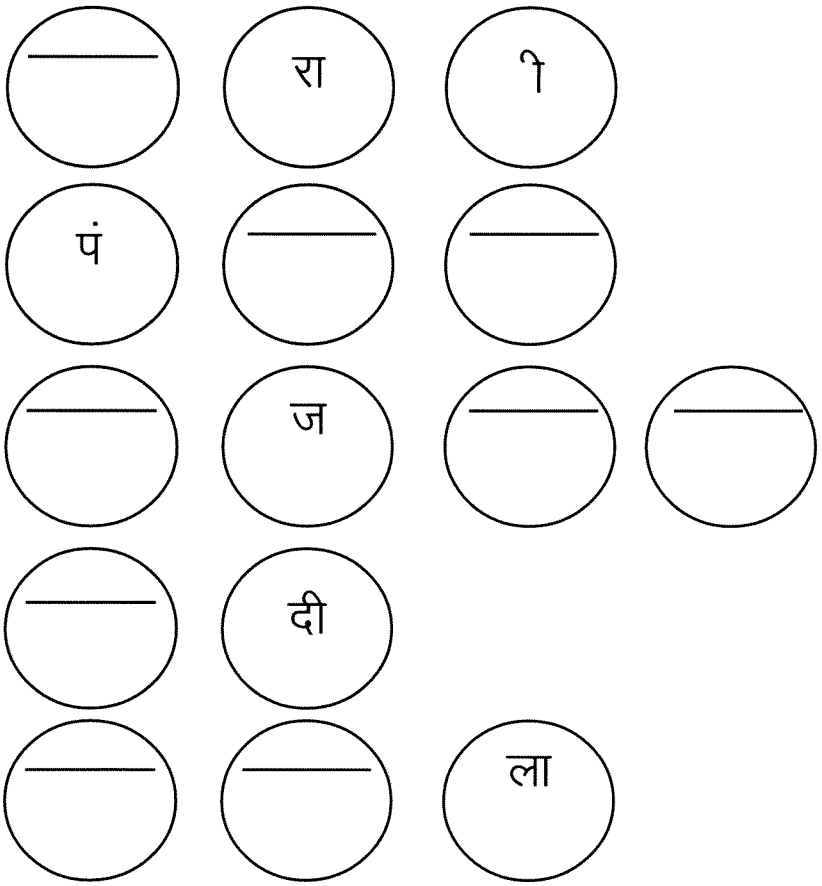

मुहावरे

निम्नलिखित गद्यांश पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

राहुल और रमा भाई बहन थे। उनकी माँ उन्हें बहुत समझाती थीं कि अपना सामान संभालकर रखें पर उनके कान पर जूँ तक न रेंगती। उनके आलसीपन की आदत ने उनकी माँ की नाक में दम कर रखा था। एक दिन माँ जब उनके कमरे में आईं तो आग बबूला हो गईं। पूरा कमरा बिखरा पड़ा था, कोई भी चीज़ जगह पर नहीं थी। उनके कुत्ते ने उनकी किताबों को चबा रखा था। इस बार माँ ने भी उन्हें सबक सिखाने की ठानी। उन्होंने राहुल और रमा से कुछ नहीं कहा, अगले दिन सुबह जब वे स्कूल के लिए तैयार हुए तो उन्हें कोई भी चीज़ जगह पर नहीं मिली। माँ ने उनका हाथ बँटाने से साफ़ इंकार कर दिया। आज उनकी माँ ने उनका बस्ता तैयार करने में उनका हाथ नहीं बँटाया। नतीजा यह हुआ कि उन्हें बिना किताब कॉपी के ही स्कूल जाना पड़ा। अध्यापिका से उन्हें बहुत डाँट पड़ी। वे शर्म के मारे पानी–पानी हो गए। उन्हें अपनी गलती का एहसास हो रहा था। उस दिन घर आकर उन्होंने एड़ी चोटी का ज़ोर लगा कर अपना पूरा कमरा साफ़ किया। सभी चीजें ठीक से सही जगह पर रखीं। माँ की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। उन्होंने अपने बच्चों को गले से लगा लिया। उस दिन से उनका आलसीपन हमेशा के लिए नौ दो ग्यारह हो गया।

प्र०–1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) राहुल और रमा की किस आदत ने माँ की नाक में दम कर रखा था?

उत्तर .....

.....

(ख) माँ आग बबूला क्यों हो गईं?

उत्तर .....

.....

(ग) उन्हें अध्यापिका से क्यों डाँट पड़ी?

उत्तर .....

.....

(घ) स्कूल से घर आकर उस दिन राहुल और रमा ने क्या किया?

उत्तर .....

.....

प्र०–2. दिए गए अर्थ के अनुसार पद्यांश में से मुहावरे ढूँढ़िए:–

1. समझाने का कुछ असर न होना

.....

2. बहुत गुस्सा आना

.....

3. बहुत परेशान करना

.....

4. मदद करना

.....

5. बहुत शर्मिंदा होना

.....

6. बहुत मेहनत करना

.....

7. भाग जाना

.....

प्र०–3. मुहावरों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे करिए:–

1. पुलिस को देख कर चोर .....

2. जब कोई भी जानवर शेर के पास नहीं पहुँचा तो वह गुस्से से

.....

3. सब ने रवि को समझाया पर उसके .....

4. बच्चों ने सभी का .....

5. अच्छे अंक लाने के लिए माला ने .....

प्र०–4. गद्यांश में लिखे मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग करें:– (कोई तीन)

1. मुहावरा – .....

   वाक्य – .....

   .....

2. मुहावरा – .....

   वाक्य – .....

   .....

3. मुहावरा – .....

   वाक्य – .....

   .....

मुहावरे

मुहावरे

पढ़ो और समझो-

पिता के सामने अरूण बहुत डर जाता है।

पिता के सामने अरुण भीगी बिल्ली बन जाता है।

पुलिस को देखते ही चोर भाग गया।

पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

देखा बच्चो, कभी–कभी एक ही बात को दो प्रकार से कहा जा सकता है।

यानि कि किसी बात को बोलचाल की भाषा में न कहकर खास तरीके से कहा जाता है।

ऊपर के वाक्यों में भीगी बिल्ली बनना का अर्थ बिल्ली बनना नहीं बल्कि डरना है। नौ दो ग्यारह हो जाना का अर्थ 9 + 2 = 11 नहीं बल्कि भाग जाना है। ये कथन एक विशेष अर्थ दे रहे हैं। ये कथन मुहावरे हैं।

विशेष अर्थ देने वाले कथन मुहावरे कहलाते हैं।

	मुहावरे		अर्थ
1.	कान भरना	–	चुगली करना
2.	आँखों में धूल झोंकना	–	धोखा देना
3.	नाक में दम करना	–	बहुत परेशान करना
4.	कान पर जूँ न रेंगना	–	असर न होना
5.	घी के दीए जलाना	–	खुशियाँ मनाना
6.	भीगी बिल्ली बनना	–	डर जाना
7.	छाती से लगाना	–	बहुत प्यार करना
8.	आग–बबूला होना	–	बहुत गुस्सा होना
9.	होश उड़ जाना	–	डर जाना
10.	मुँह की खाना	–	हार जाना
11.	आँखों का तारा	–	बहुत प्यारा होना
12.	लाल पीला होना	–	बहुत गुस्सा करना

अपना काम

पहाड़पुर की ओर जाने वाली सड़क पर एक बड़ा–सा पत्थर पड़ा था। पत्थर बड़ा था और सड़क के बीचो–बीच पड़ा था। इसलिए

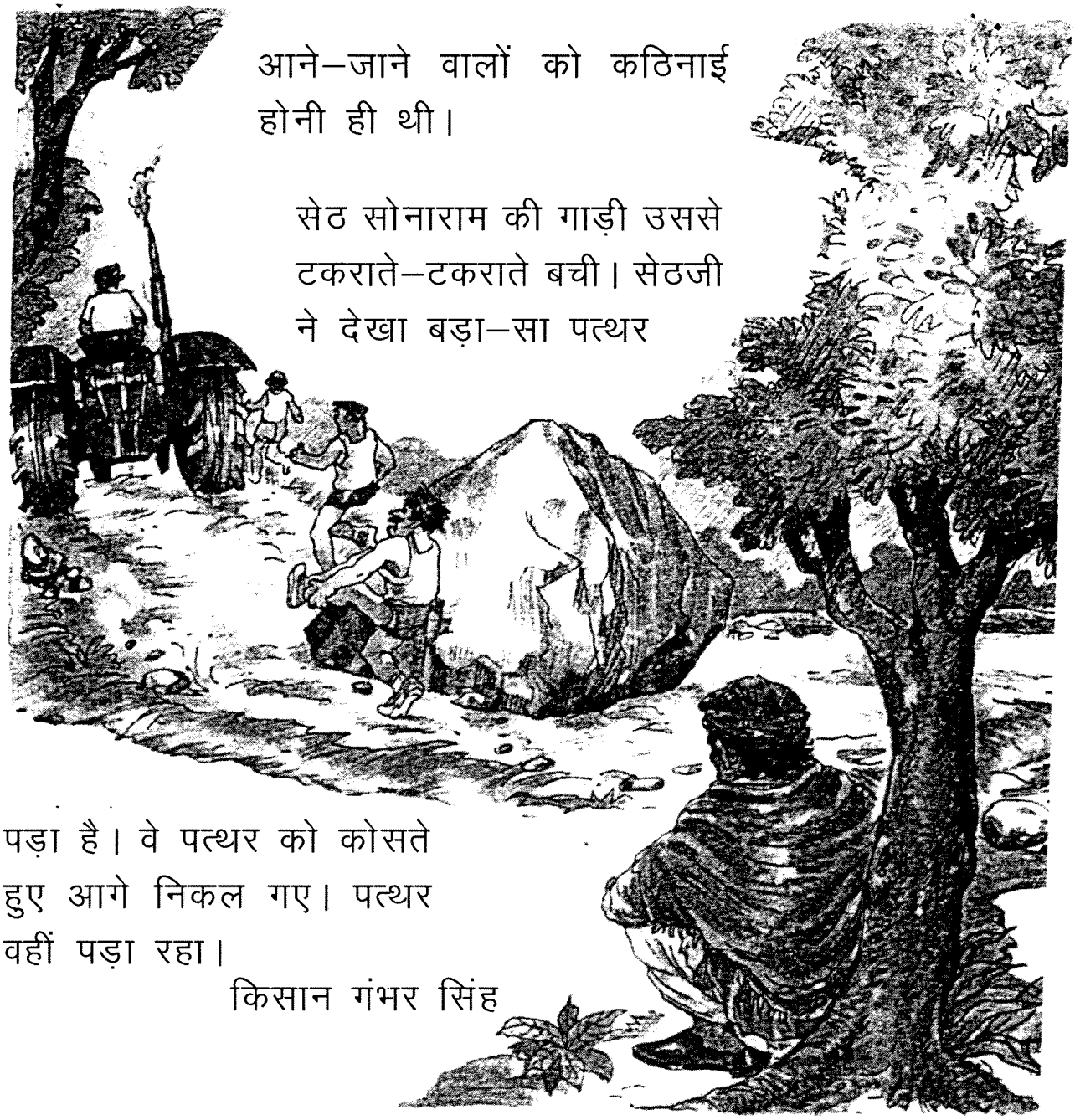

आने–जाने वालों को कठिनाई होनी ही थी।

सेठ सोनाराम की गाड़ी उससे टकराते–टकराते बची। सेठजी ने देखा बड़ा–सा पत्थर पड़ा है। वे पत्थर को कोसते हुए आगे निकल गए। पत्थर वहीं पड़ा रहा।

किसान गंभर सिंह अपने ट्रैक्टर में गेहूँ की बोरियाँ ले जा रहा था। सड़क के बीच पत्थर

देखकर वह भुनभुनाया–कैसे लोग हैं? आने–जाने वाली गाड़ियों का भी ध्यान नहीं रखते। उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपना ट्रैक्टर निकाला। पत्थर वहीं पड़ा रहा।

पाँच पहलवान दूसरी ओर से आ रहे थे। उन्हें कुश्ती का अभ्यास करना था। बदन में गरमी लाने के लिए दौड़ लगा रहे थे। बीचवाला पहलवान पत्थर से टकराया। पैर लहूलुहान हो गया। बाकी पहलवानों ने पहले तो सड़क को कोसा। फिर सरकार को कोसा कि इस सड़क का ध्यान नहीं रखती। उसके बाद अपने घायल साथी को उठाकर अस्पताल ले गए। पत्थर वहीं पड़ा रहा।

सड़क के किनारे बैठा लल्लन यह सब देख रहा था। वह हैरान था कि लोग पत्थर से परेशान तो हैं, पर कोई उसे हटाने का प्रयत्न नहीं करता। कोई किसी को कोस रहा है, कोई किसी को। लल्लन ने सोचा यह ठीक नहीं। हमें स्वयं अपनी मदद करनी चाहिए। वह उठा और पत्थर को धकेलने लगा।

पत्थर बड़ा था और भारी भी। लल्लन ने बहुत ज़ोर लगाया पर वह टस से मस नहीं हुआ। इतने में उसके कुछ साथी उधर आ गए। लल्लन के साथ मिलकर उन्होंने भी पत्थर को धकेला। पत्थर खिसकने लगा। उन्होंने धीरे–धीरे पत्थर को किनारे कर दिया।

सभी लल्लन और उसके साथियों की तरह सोचें तो कितना अच्छा हो। है न? भगवान ने हमें हाथ दिए हैं तो हम दूसरों का मुँह क्यों ताकें?

एक बुढ़िया, एक बच्चा

यह कहानी दिल्ली शहर की है, मुझे दादा जी ने सुनाई थी। दिल्ली बहुत बड़ा शहर है। यहाँ एक करोड़ से भी ज्यादा लोग रहते हैं। लाखों वाहन चलते हैं। सड़कों पर बड़ी भीड़–भाड़ रहती है।

एक दिन की बात है। सड़क पर रोज़ की तरह बड़ी भीड़ थी। बहुत सारी बसें और कारें आ जा रही थीं। ट्रक भी थे और रिक्शे भी। बड़ा शोर था।

एक बुढ़िया घबराई हुई सड़क के किनारे खड़ी थी। कभी दाएँ देखती, कभी बाएँ। कभी एक कदम आगे बढ़ाती, फिर घबराकर पीछे जाती। बहुत–से लोग उसके पास से आ–जा रहे थे।

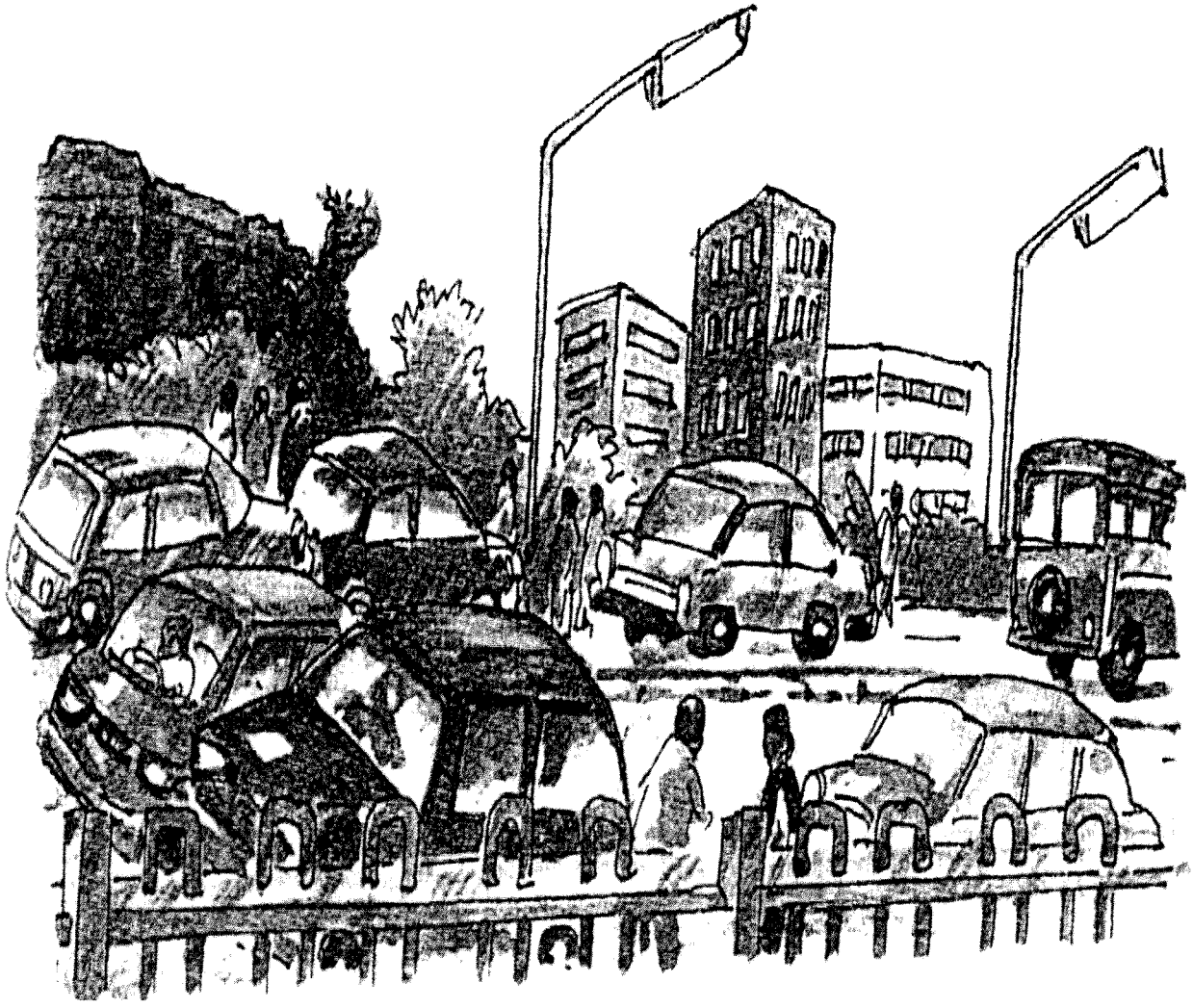

बुढ़िया कह रही थी–अरे भाई, कोई मुझे सड़क पार करा दो। तुम्हारा भला होगा।

किसी ने उसकी तरफ़ नहीं देखा। बुढ़िया दो कदम आगे बढ़ी पर फिर घबराकर पीछे लौट आई। उसने फिर कहा–अरे लोगों, कोई मेरी मदद करो, मुझे उस पार जाना है।

लोग आते–जाते रहे। किसी ने बुढ़िया की ओर ध्यान नहीं दिया।

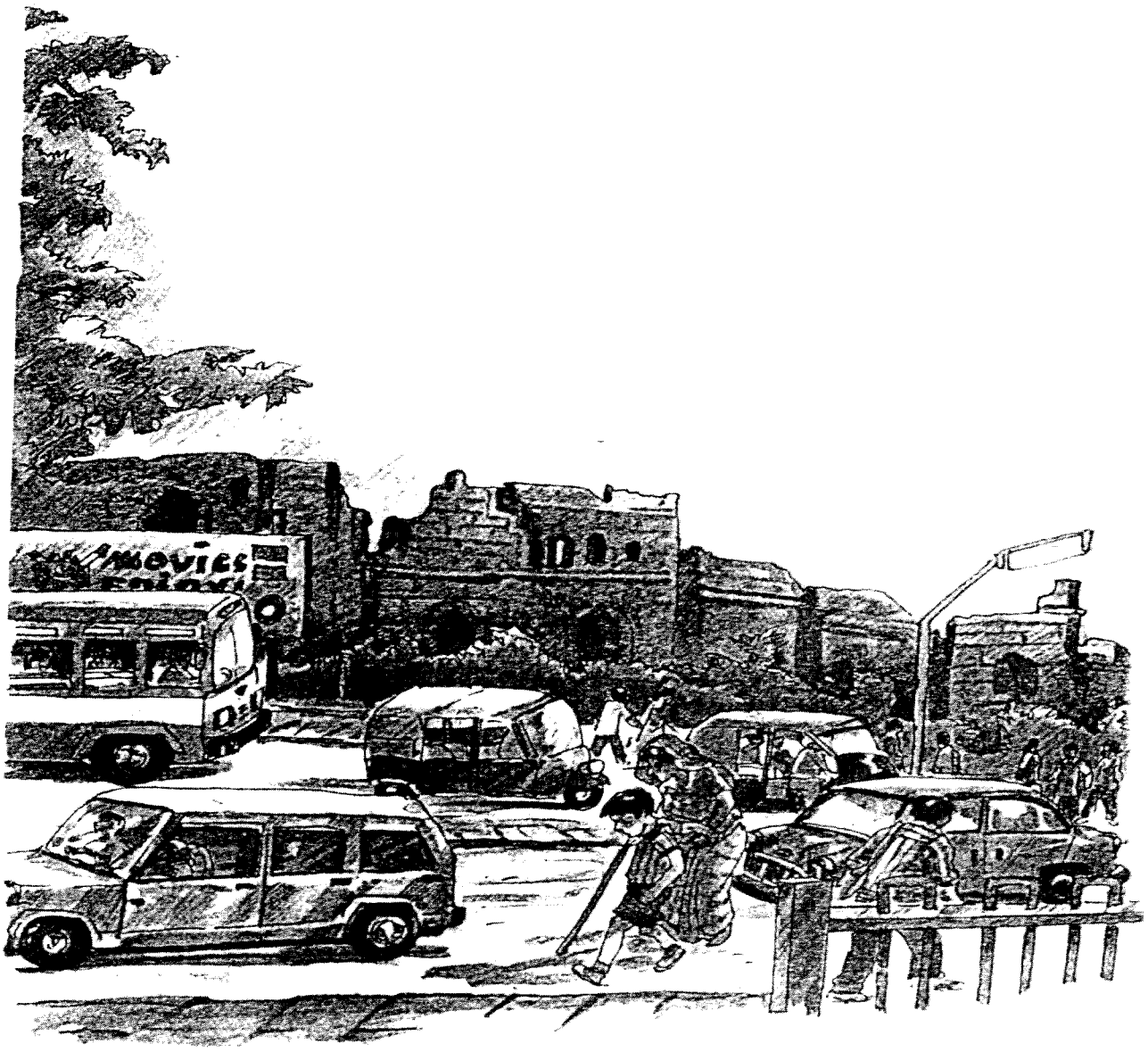

एक छोटा बच्चा यह सब देख–सुन रहा था। वह बुढ़िया के पास आया और बोला–दादी माँ, आइए। उसने बुढ़िया का हाथ पकड़ लिया।

बुढ़िया ने कहा–बेटे, तुम छोटे हो, कैसे ले चलोगे? बच्चा हँसकर बोला–आप चिंता मत कीजिए दादी माँ। मैं इतना छोटा नहीं हूँ। आइए चलें।

देखते–देखते बच्चे ने बुढ़िया को सड़क के पार पहुँचा दिया। बुढ़िया बहुत खुश हुई। बच्चे को प्यार करते हुए उसने कहा–तुम सदा सुखी रहना। बेटे, तुम बड़ों का आदर करते हो। तुम्हारे मन में दया है। तुम ज़रूर बड़े आदमी बनोगे। ईश्वर तुम्हारी मदद अवश्य करेगा।

लालची बंदर

एक बंदर था। वह बड़ा ढीठ बन गया था। कभी कुछ शैतानी करता, कभी कुछ। गाँव–भर के लोग उससे बड़े परेशान थे। उसको पकड़ना भी बड़ा कठिन था।

गाँववालों ने एक मदारी को बुलाया। मदारी ने एक सुराही ली। सुराही में कुछ भुने हुए चने रख दिए। जिस पेड़ पर बंदर बैठा था, उसके सामने एक गड्ढा खोदा और सुराही को गाड़ दिया।

मदारी दूर चला गया तो बंदर नीचे उतरा। उसने थोड़ी–सी मिट्टी हटाई तो सुराही का मुँह दिखाई पड़ा। भुने चनों की खुशबू आ रही थी। सँकरे मुँह में हाथ डाला और अपनी मुट्ठी में खूब चने भर लिए।

अब बंदर अपना हाथ घड़े से बाहर निकालने लगा। खाली हाथ सुराही के अंदर आसानी से चला गया था, पर मुट्ठी बंद होने से वह बाहर निकलता ही न था। बंदर ज़ोर लगाकर खींचने लगा पर लालच के कारण बंद मुट्ठी को खोलना नहीं चाहता था।

मदारी चुपके से आया। उसने एक थैला बंदर के ऊपर डालकर उसे पकड़ लिया। उसे ले जाकर दूर किसी जंगल में छोड़ आयाा। गाँववालों की परेशानी दूर हो गई।

कम बोलो, मीठा बोला

काँव! काँव! बच्चों ने सुना तो कौए पर ढेले फेंकने लगे। कौआ जान बचाकर उड़ा और नीम के पेड़ पर जा बैठा। फिर बोला–काँव–काँव। पेड़ पर चिड़ियों के घोंसले थे।

वे काँव–काँव सुनकर बाहर निकलीं और कौए पर झपटकर चोंच से हमला करने लगीं। कौए को फिर भागना पड़ा अब कौआ पहुँचा आम के बाग में। आम पर बौर आए थे। कोयल कूक रही थी–कुहू, कुहू।

लोग कोयल की तारीफ़ कर रहे थे। कुछ बच्चे कोयल की नकल करते हुए कह रहे थे–कुहू, कुहू।

कोयल गाती जा रही थी। कौए ने सोचा–इन लोगों को गाना अच्छा लगता है। वह भी गाने लगा– काँव, काँव। सुनते ही एक आदमी बोला– यह कौआ कहाँ से आ गया? भगाओ इसे। कौए पर फिर ढेले बरसने लगे। कौआ जान बचाकर भागा।

जब बगीचे से लोग घर चले गए तो कौआ कोयल के पास पहुँचा; नमस्ते की और बोला–बहन, मुझे एक बात पूछनी है।

कोयल ने कहा–आओ भाई। कहो, मैं तुम्हारी क्या मदद करूँ? कौआ बोला तुम और मैं दिखने में एक से दिखते हैं। पर लोग तुम्हारा सम्मान करते हैं और मेरी जान के पीछे पड़े रहते हैं।

कोई ढेला मारता है तो कोई पत्थर। और तो और, चिड़ियाँ भी मुझे अच्छा नहीं मानतीं। ऐसा क्यों?

कोयल ने कहा–देखो भाई, तुम बोलते बहुत हो। मैं साल में दो–तीन महीने बोलती हूँ, पर तुम तो रोज़ ही शोर मचाते हो। शोर किसी को अच्छा नहीं लगता। कम बोलो और मीठा बोलो तो सब तुम्हें अच्छा मानेंगे।

कौआ उस दिन से कम बोलने और मीठा बोलने का प्रयत्न कर रहा है।

"की" और "की"

बच्चों "की" और "की" का वाक्य में प्रयोग करते समय हमें उलझन होती है। तो आइए जानते है कि कहाँ हमें "की" का प्रयोग करना चाहिए और कहाँ "की" का।

- "कि दो वाक्यों को जोड़ता है। अंग्रेजी में जो काम Conjuction के रुप में That का है, हिंदी में वही काम "कि" का है। "की" दो वाक्यों या वाक्यांशों को जोड़ता है। जैसेः– उसने कहा था कि वह आज ज़रूर आएगा। ऐसा हो सकता है कि कल मैं न आऊँ।

- कि का प्रयोग या, अथवा या प्रश्न पूछने के लिए करते हैं। जैसे–तुम्हें आम चाहिए कि (या) अंगूर? तुम स्कूटर से जाओगे कि (या) बस से? कुछ उदाहरणः– जाकर, क्योंकि, नकि, ताकि, हालाँकि।

की

"की" का प्रयोग दो संज्ञा या सर्वनाम के बीच संबंध बताता है। जैसेः–यह राम **की** किताब है। ताले **की** चाबी गुम गई।

"की" का प्रयोग किसी की विशेषता दर्शाने में किया जाता है। जैसेः–कपड़े की चमक। लकड़ी की मोटाई।

कुछ उदाहरण–किसकी, इसकी, उसकी, जिसकी, उनकी।

आइए अब कुछ वाक्यों में खाली स्थान भरकर अभ्यास कीजिएः–

1. उसने कहा ---------- कल वह नहीं आएगा।

2. फिल्म ---------- कहानी अच्छी थी।

3. मैं जानता हूँ ---------- आप सच बोल रहे हैं।

4. वह इतना हँसा ---------- पेट दुखने लगा।

5. रोगी ---------- हालत नाजुक है।

6. मौसम विभाग का अनुमान है ---------- मॉनसून कुछ देर से आएगा।

7. राधा ---------- किताब खो गई।

8. मुझे गर्व है ---------- मैं भारतीय हूँ।

9. चाँद ---------- रोशनी से रात रोशन है।

10. उम्मीद करती हूँ ---------- आप भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे।

अपठित गद्यांश

प्र०—1 नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

एक राजा था। वह अपने मंत्री के साथ वेश बदलकर घूमने निकला। उसने एक अंधे भिखारी को भीख माँगते देखा। राजा को उस पर दया आई। उसने भिखारी को एक सोने की मोहर दी। भिखारी ने राजा को दुआ दी और कहा, "तुम्हारा भला हो। कृपा कर मेरे सिर पर एक चपत लगाओ।" यह सुनकर राजा हैरान रह गया। भिखारी ने बताया कि पहले वह बहुत अमीर था। परंतु लालच के कारण उसकी यह दशा हो गई। इसलिए अब वह चपत लगवाकर अपनी गलती की सज़ा भुगतता है।

क) राजा किसके साथ घूमने गया?

.....

.....

.....

ख) रास्ते में राजा को कौन मिला?

.....

.....

.....

ग) राजा ने भिखारी को क्या दिया?

.....

.....

.....

प्र०–2 दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

लालच

.....

हैरान

.....

सज़ा

.....

अपठित गद्यांश

सौरभ एक आठ साल का लड़का था। वह अपने माता–पिता के साथ एक बड़े से घर में रहता था। उसके पिता एक व्यापारी थे। घर में धन की कोई कमी न थी। ऐशो–आराम के सभी साधन मौजूद थे। सौरभ एक बहुत ही अच्छे विद्या–लय में पढ़ता था वह पढ़ाई में बहुत ही अच्छा था। इतना सब होते हुए भी सौरभ कभी–कभी उदास हो जाता था क्योंकि उसके कोई भी भाई या बहन नहीं थे, वह अपने माता–पिता की इकलौती संतान था। आज सौरभ के माता–पिता उसे कहीं ले कर जा रहे थे। सौरभ के माता–पिता बहुत खुश थे। उन्होंने सौरभ को जल्दी से तैयार होने के लिए कहा, सौरभ ने उनसे पूछा कि वे लोग कहाँ जा रहे हैं परंतु उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सौरभ तैयार होकर गाड़ी में बैठ गया। पिताजी गाड़ी चला रहे थे।

थोड़ी देर बाद पिताजी ने गाड़ी एक अनाथाश्रम के आगे रोक दी। सौरभ को कुछ समझ नहीं आया, उसने माँ को देखा। माँ ने उसे बताया कि वे लोग उसके लिए एक बहन लेने आए हैं। सौरभ बहुत खुश हो गया, वे लोग अंदर गए। तभी एक छोटी से लड़की ने सौरभ का हाथ पकड़ लिया और उससे पूछा कि क्या वह ही उसके सौरभ भैया है? सौरभ की खुशी सातवें आसमान पर थी। उसे एक नन्हीं और प्यारी बहन मिल गई थी।

प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

प्र०–1 सौरभ के पिता क्या करते थे?

.....

.....

.....

प्र०–2 गाड़ी कौन चला रहा था?

.....

.....

.....

प्र०–3 सौरभ कभी–कभी क्यों उदास हो जाता था?

.....

.....

.....

प्र०–4 अपनी पसंद से सौरभ की बहन का नाम चुन कर लिखिए।

.....

.....

.....

सौरभ और उसके परिवार का चित्र बनाइए।

अपठित गद्यांश

गद्यांश पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

सूरज एक आग का गोला है। यह हमें गरमी और रोश्नी देता है। सूरज न होता तो हमारी धरती अँधेरे में ही रहती। एक कभी न समाप्त होने वाली काली रात की तरह। ठंड भी खूब होती। हमारी धरती सूरज के आस–पास चक्कर लगाती रहती है। धरती भी गोल है इसलिए इसका आधा हिस्सा सूरज के नज़दीक रहता है और आधा दूर। उस समय नज़दीक वाले हिस्से में दिन और दूर वाले हिस्से में रात होती है।

प्र०–1 सूरज हमें क्या देता है?

.....

.....

.....

प्र०–2 अगर सूरज न होता तो धरती कैसी होती?

.....

.....

.....

प्र०–3 धरती के किस हिस्से में दिन होता है?

.....

.....

.....

प्र०–4 नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।

सरदी ..... उजाला .....

आकाश ..... पूरा .....

दूर ..... शुरू .....

प्र०–5 नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

रोशनी – .....

.....

अँधेरा – .....

.....

चक्कर – .....

.....

समाप्त – .....

.....

नज़दीक – .....

.....

हिस्सा – .....

.....

अपठित गद्यांश

रीमा अपने माता–पिता के साथ नैनीताल में रहती थी। वह सात साल की थी। रीमा के पिताजी अध्यापक थे व माताजी जानवरों की डॉक्टर थीं। रीमा की माताजी को जानवरों से बहुत प्यार था, रीमा को भी सभी जानवर पसंद थे। नैनीताल में एक बहुत ही सुंदर झील थी, हर रोज़ अनेक सैलानी नौका में बैठ कर झील का आनंद उठाते थे। उस झील में अनेक बतख भी थीं।

एक दिन रीमा स्कूल से घर लौट रही थी, उसने देखा कि कुछ सैलानी नौका में बैठ कर झील का आनंद उठा रहे हैं। वे बतख को देख कर अत्यंत प्रसन्न थे, व उन्हें कुछ खिला रहे थे। रीमा ने देखा कि कुछ बच्चे बतख को आलू के चिप्स व कुरकुरे नामक नमकीन खिला रहे थे। यह रीमा को अटपटा लगा। उसने अपनी माँ को इस बारे में बताया। माँ ने कहा कि अगर सैलानी अक्सर झील में बतखों को इस तरह की चीज़ें खिलाएँगे तो सभी बतख बीमार हो जाएँगी। रीमा की माताजी व पिताजी ने सोचा की सभी लोगों को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। पिताजी ने विद्यालय में छात्र व छात्राओं से पोस्टर बनवाएँ व माताजी ने अस्पताल में सभी को इसके बारे में बताया। धीरे–धीरे यह ख़बर नैनीताल में आग की तरह फैल गई व लोगों ने सैलानियों को ऐसा करने के लिए मना किया।

(क) प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

प्र०–1 रीमा की क्या आयु थी?

.....

.....

प्र०–2 रीमा के पिताजी क्या करते थे?

.....

.....

प्र०–3 लोख बतखों को क्या खिला रहे थे?

.....

.....

प्र०–4 लोगों को जागरूक बनाने के लिए रीमा के माता–पिता ने क्या किया?

.....

.....

प्र०–(ख) रंग भरिए व झील में बतख बनाइए:–

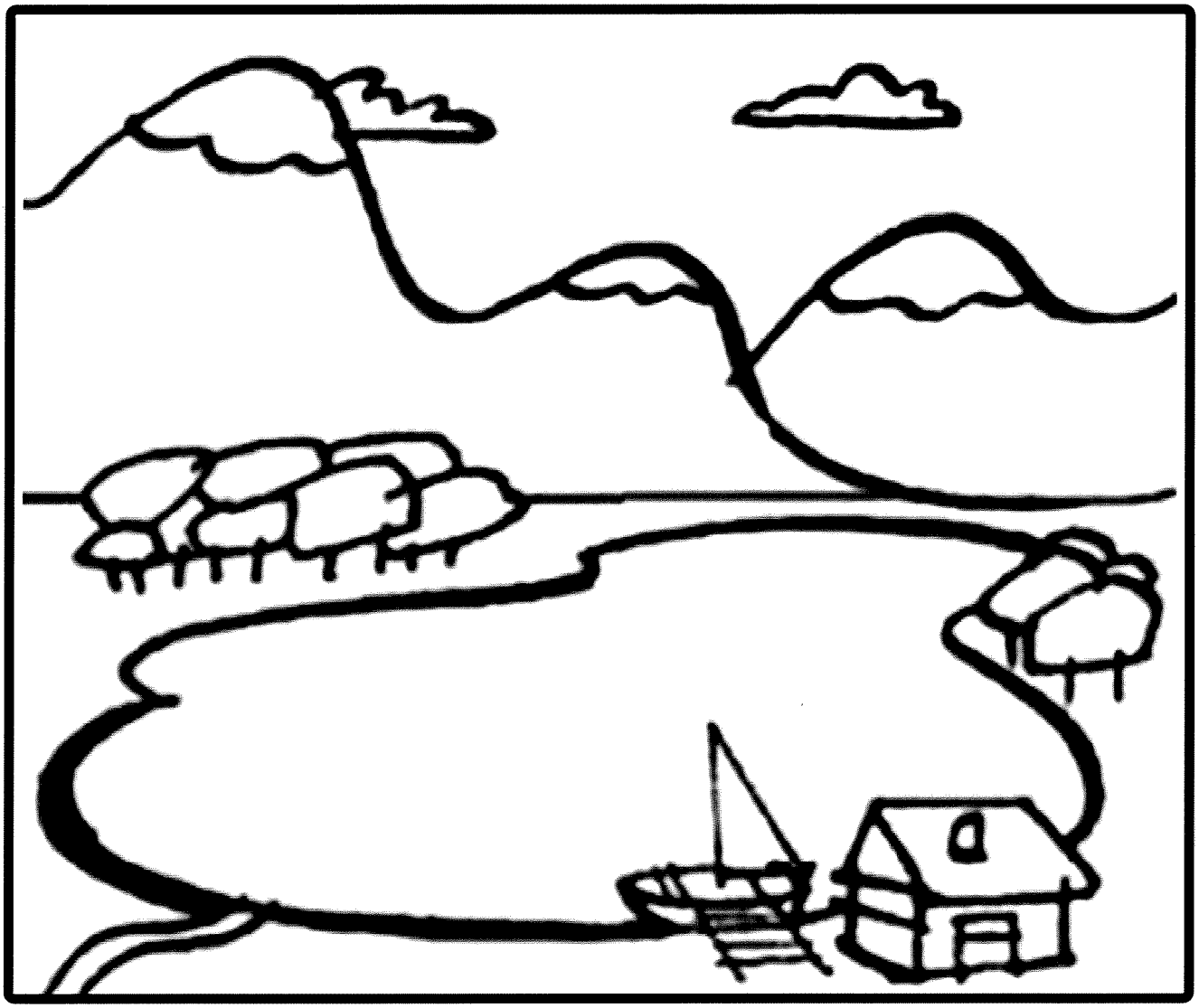

कहानी लेखन

आइए कहानी को पूरा करें:-

रश्मि एक आठ साल की लड़की थी। वह अपने माता–पिता व छोटे भाई के साथ लोहोगढ़ नाम के गाँव में रहती थी। उस गाँव की ख़ास बात थी कि वहाँ जो भी सूरज ढलने के बाद आता था, उसे रात उसी गाँव में बितानी पड़ती थी। वह चाह कर भी रात को गाँव छोड़ कर नहीं जा सकता था।

एक बार की बात है, रश्मि अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। तभी उसे एक बच्चे के रोने की आवाज़ सुनाई दी, वह तुरंत भाग कर उस बच्चे के पास गई व उससे रोने का कारण पूछा। उस बच्चे ने बताया कि वह पड़ोस के गाँव में रहता है। अपने माता–पिता के साथ, सूरज ढलने के बाद, रश्मि के गाँव में किसी काम से आया था। उसके माता–पिता गलती से उसे यहीं छोड़ गएँ, अब वह चाह कर अपने गाँव नहीं जा पा रहा है।.....

रश्मि ने इस बच्चे की मदद किस तरह की? सोच कर लिखिए वह कहानी को पूरा कीजिए।

चित्र को देख कर उसका वर्णन कीजिए

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

वाक्य रचना

चित्रों को देखकर वाक्य लिखिए और चित्रों में रंग भरिए।

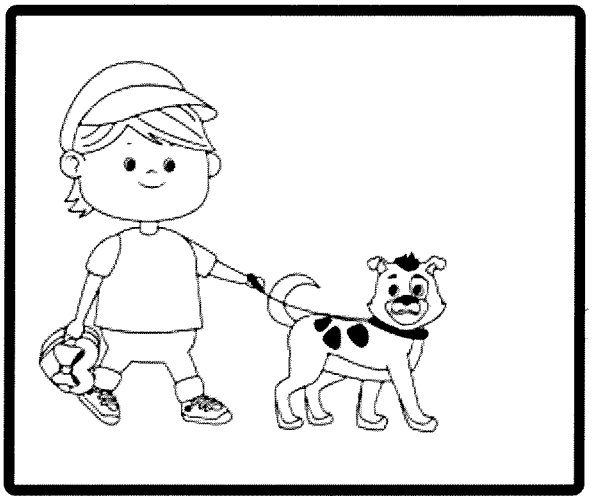

.....

.....

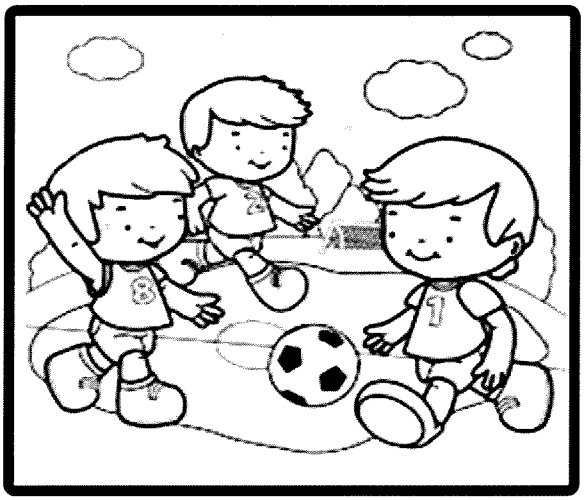

.....

.....

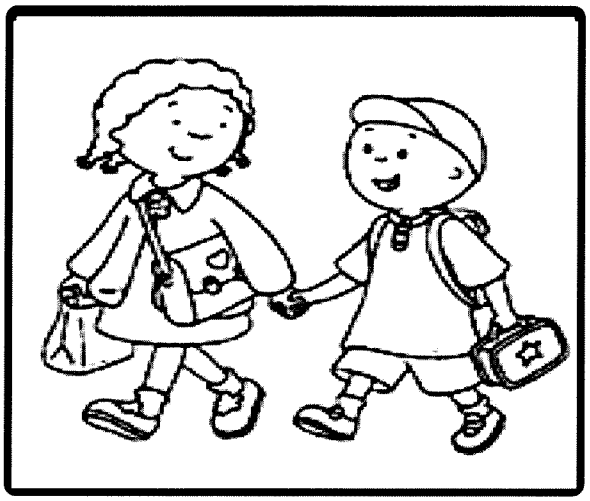

.....

.....

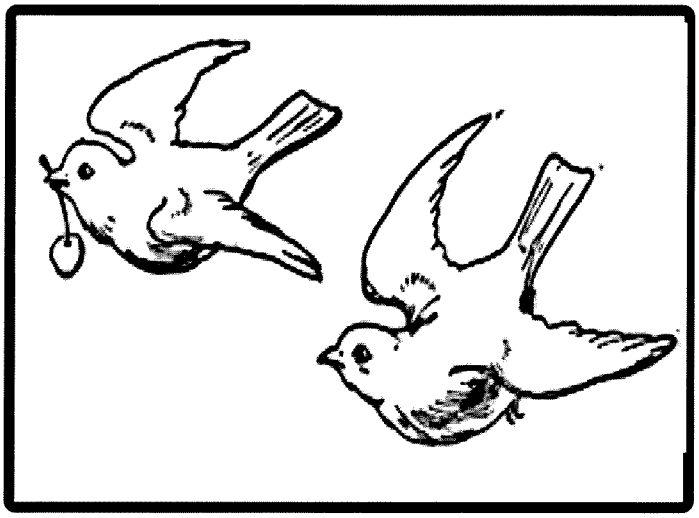

.....

.....